सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
You Tube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 339, नई दिल्ली । शनिवार, 15 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 कांग्रेस पार्टी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में खुला समर्थन: दिल्ली देहात
06 इतिहास लेखन में एआइ का उपयोग
08 बिना फिटनेस के कोई भी वाहन सड़क पर नहीं चल सकता....

अब दोगुना होगा वाहन सुरक्षा शुल्क 'दिल्ली में परिवहन विभाग ने पार्किंग और प्रबंधन नियम बदले

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में परिवहन विभाग ने पार्किंग और प्रबंधन नियम 2019 में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अब जब्त वाहन के लिए 30 दिनों के भीतर दावा पेश करना होगा। इसके बाद वाहन सुरक्षा शुल्क दोगुना कर दिया जाएगा।

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग ने पार्किंग और प्रबंधन नियम 2019 में बदलाव कर दिया है। इसके तहत अब अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए वाहन को छुड़ाने के लिए 30 दिनों के अंदर वाहन मालिक को दावा करना होगा। अगर 30 दिनों के भीतर संबंधित वाहन का मालिक दावा नहीं करता है तो उसे नोटिस जारी करते हुए सात दिन का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन इन सात दिनों में वाहन सुरक्षा शुल्क दोगुना वसूला जाएगा। दिल्ली में पहले यह अवधि 90 दिनों की थी। अधिकारियों का कहना है कि जगह की कमी के चलते इस नियम में बदलाव किया गया है।

एक महीने सात दिन बाद वाहन की शुरू होगी नीलामी प्रक्रिया

दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि यदि पंजीकृत वाहन के मालिक ने वाहन छुड़ाने के लिए 30 दिनों के भीतर दावा नहीं पेश किया तो वाहन मालिक को सात दिनों का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। हालांकि इन सात दिनों के लिए वाहन मालिक से वाहन सुरक्षा शुल्क (हिरासत) दोगुना वसूला जाएगा। इसके बाद वाहन को नीलामी के लिए रखा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जो वाहन नो पार्किंग जोन में अवैध रूप से पार्क किए जाते हैं। ऐसे वाहनों को जब्त कर सुरक्षित जगह रखा जाता है। वाहन मालिक के दावा करने पर टोइंग शुल्क लेकर उसे छोड़ दिया जाता है।

पहले 90 दिनों की अवधि तक सुरक्षित रहते थे वाहन

दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारियों की मानें तो अवैध पार्किंग से जब्त किए गए वाहनों को परिवहन विभाग 90 दिनों तक सुरक्षित रखता था, लेकिन वाहन मालिकों के दावा नहीं करने और वाहनों का ज्यादा दबाव होने के कारण यह नियम बदला गया। हालांकि अवैध पार्किंग से जब्त किए गए वाहन को छुड़ाने के लिए वाहन मालिक से सिर्फ टोइंग शुल्क वसूला जाता है। जो वाहन की श्रेणी के अनुसार 200 रुपये से लेकर 1,500 रुपये के बीच होता है। पार्किंग और प्रबंधन नियम 2019 के अनुसार जब्त किए गए वाहन के लिए अगर 90 दिनों के भीतर दावा पेश नहीं किया जाता है तो वाहन मालिक को 15 दिनों का नोटिस दिया जाता है। इसके बाद भी अगर वाहन मालिक नहीं आता है तो वाहन को सार्वजनिक नीलामी के लिए रखा जाता है।

दिल्ली में रोजाना जब्त होते हैं औसतन 50 ई-रिक्शा

परिवन विभाग के एक अधिकारी ने बताया "दिल्ली में वाहन छुड़ाने की अवधि 90 दिन होने के चलते पार्किंग में वाहनों का ज्यादा दबाव है। दिल्ली में रोजाना औसतन 50 ई-रिक्शा जब्त किए जाते हैं। इनमें से ज्यादातर ई-रिक्शा मालिक तय समय सीमा तक वाहन को छुड़ाने का दावा नहीं करते। ऐसे में वाहनों को सुरक्षित पार्किंग में रखना चुनौती बन रहा था। इसलिए परिवहन विभाग ने नियमों में बदलाव किया है। अब जब्त वाहन छुड़ाने की विंडो अविध 90 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। हालांकि जिन वाहनों का उपयोग माल ढोने में होता है। उनके लिए सात दिनों की अतिरिक्त समय सीमा के साथ 10 दिन की अवधि निर्धारित की गई है।"

दिल्ली में तीन जगह पार्क किए जाते हैं जब्त वाहन

दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारियों की मानें तो सोमवार को पार्किंग और प्रबंधन नियम में बदलाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके बाद अगर कोई तय समय सीमा के अंदर वाहन छुड़ाने का दावा पेश नहीं करता है तो वाहन को नीलामी के लिए रखा जाएगा या फिर स्क्रैपिंग इकाइयों को सौंपा जाएगा। फिलहाल दिल्ली में तीन जगह जब्त किए गए वाहन पार्क किए जाते हैं। जहां वाहनों का दबाव ज्यादा है। परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित टोइंग शुल्क वाहनों की श्रेणी के आधार पर 200 रुपये से लेकर 15 सौ रुपये तक निर्धारित है।

अति विशेष सूचना

"""परिवहन विशेष""" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आर.एन.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त करने के बाद से आपके द्वारा प्राप्त भरपूर सहयोग से मार्च में अपने 2 साल पूरे कर रहा है। इन दो सालों में समाचार पत्र को निष्पक्ष रूप से चलाने में आप सभी का भरपूर सहयोग रहा हैं जिसके लिए **प्रशासनिक विभाग परिवहन विशेष आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता है** और आशा करता है की भविष्य में भी आपका सहयोग हमारे साथ ऐसे ही बना रहेगा। इन दो सालों में समाचार पत्र को राष्ट्रीय स्तर पर सभी शहरों और जिलों तक पहुंचाने और वहां की सही और सच्ची खबरें हम तक पहुंचाने वाले रिपोर्टर्स का दिल से धन्यवाद।

आप सभी को यह जान कर खुशी होगी की """परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र""" का द्वितीय वार्षिकी समारोह अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में करने का फैसला लिया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सड़को को जाम और दुर्घटनाओं से मुक्त करवाने का उद्देश्य रखा गया है। **सड़को पर चलने वाले वाहन चालक अपनी लेन में ही ड्राइविंग करें"""** पर वक्तव्य और चर्चा रखी गई है और सबसे अच्छा तर्क और समाधान प्रदान करने वाले वक्ता को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त परिवहन क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले संगठनों, सड़क सुरक्षा के प्रति कार्य करने वाले संगठनों के पदाधिकारियों एवम् परिवहन विशेषज्ञों के साथ हमारे समाचार पत्र से जुड़े सभी राज्यों से जुड़े रिपोर्टर्स, लेखक, ज्योताचार्य, कवि एवम् सहायकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

संजय कुमार बाटला
संपादक

लखनऊ में मेट्रो के एक और कॉरिडोर पर राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, कहा- जवाब आते ही काम होगा शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ से सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में मेट्रो के एक और कॉरिडोर को लेकर बड़ा ऐलान किया है.

उत्तर प्रदेश स्थित लखनऊ से सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में मेट्रो के एक और कॉरिडोर को लेकर बड़ा ऐलान किया है. राजनाथ सिंह ने कहा कि चारबाग से वसंतकुंज तक मेट्रो का प्रस्ताव पास कर प्रदेश सरकार ने केंद्र को भेजा है. उस शहरी विकास मंत्रालय ने जानकारी ली है. इसका जवाब रेलवे को देना है. सांसद ने कहा कि रेलवे से जवाब जाते ही इस रूट पर मेट्रो के दूसरे कॉरीडोर के काम को हरी झंडी मिल जाएगी।

4 लेन के 2 फ्लाईओवर्स के उद्घाटन व विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में लखनऊ आए राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां रेलवे सुविधाओं का विकास हो रहा है।

इसी कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि यह भारत का नया उत्तर प्रदेश है, जो विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है. प्रयागराज में हुए भव्य महाकुंभ एकता का संदेश दे रहा है. जब 50-55 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश के महाकुंभ में जुड़ेंगे तो इससे हमारी अर्थव्यवस्था को कितना फायदा होगा. मेरा अनुमान है कि महाकुंभ के माध्यम से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है.

दोनों फ्लाईओवर्स के उद्घाटन के कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे. कार्यक्रम में पहुंचने से पहले गडकरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की. सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर भेंट कर प्रदेश में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की।

जल्द खुलेगा मुंबई मेट्रो का बीकेसी से वर्ली का हिस्सा, एमएमआरसी ने साझा किया अपडेट

परिवहन विशेष न्यूज

मुंबईवासियों के लिए अच्छी खबर है। मेट्रो की लाइन 3 यानी एक्वालाइन का कुछ हिस्सा मार्च में खुल सकता है। एमएमआरसी ने बीकेसी से वर्ली के बीच काम पूरा कर लिया है। लाइन के इस हिस्से पर जल्द ही निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू होगी। ग्रीन सिग्नल के बाद मेट्रो सेवा आगे शुरू होगी।

मुंबई: अगर सबकुछ ठीक रहा तो मुंबईकर को मार्च के आखिर तक मेट्रो के एक और कॉरिडोर के खुलने की सौगात मिल सकती है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने अपनी कुलाबा-वांद्रे-सीप्झ अंडरग्राउंड मेट्रो 3 प्रोजेक्ट के बीकेसी - कुलाबा फेज के प्रगति की जानकारी दी है। इस फेज का 93.1 प्रतिशत कार्य अब तक पूरा हो चुका है। इसे मार्च 2025 के अंत तक यात्री सेवा के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है। महायुति की प्रचंड जीत के बाद सीएम फडणवीस ने मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा की थी। इस स्ट्रेच को 100 दिनों के एजेंडा में शामिल किया था।

जल्द शुरु होगी निरीक्षण की तैयारी

ताजा अपडेट के अनुसार मुंबई मेट्रो के इस महत्वपूर्ण फेज में स्थित बीकेसी-आचार्य अत्रे चौक और वर्ली स्टेशनों का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिससे मेट्रो सेवा की शुरुआत जल्द ही होने की उम्मीद जताई जा रही है। एमएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि 'फेज 2ए' के निर्माण के साथ-साथ इसके स्ट्रक्चर और सिस्टमैटिक फंक्शन को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। इसके बाद इस फेज को यातायात सेवा में लाने के लिए आवश्यक अंतिम मंजूरी मिल सकेगी। इस फेज का संचालन शुरू होने से मुंबई के व्यस्त यातायात में राहत मिल सकती है।

33.5 किमी लंबी है लाइन 3

मुंबई मेट्रो की लाइन यानी एक्वालाइन की कुल लंबाई 33.5 किलोमीटर है। इस लाइन पर कुल 27 स्टेशन हैं। यह कफे परेड को बीकेसी और आरे जेवीएलआर को जोड़ती है। 12.69 किलोमीटर लंबे भाग को फेज-1 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अक्तूबर, 2024 में शुभारंभ किया था। मार्च में इस लाइन का एक हिस्सा और खुलने जा रहा है। यह स्ट्रेच बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक तक है। आचार्य अत्रे चौक तक मेट्रो के जाने से बीकेसी और वर्ली के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी हो जाएगी।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए दिल्ली मेट्रो ने की बड़ी घोषणा, 3 लाख से ज्यादा छात्रों को मिलेगी मदद

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड के परीक्षार्थियों के लिए बड़ी घोषणा की है। 3 लाख से अधिक छात्रों को परीक्षा के दौरान दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने में मदद मिलेगी। सुरक्षा जांच में प्राथमिकता टिकट खरीद में सुविधा स्कूलों के साथ समन्वय विशेष घोषणाएं और मेट्रो स्टेशनों की जानकारी डीएमआरसी की वेबसाइट और ऐप पर उपलब्ध है।

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा 15 फरवरी से 4 अप्रैल, 2025 तक संचालित होंगी। इसको देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए सुगम और बिना किसी परेशानी की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं।

डीएमआरसी के मुताबिक लगभग 3.30 लाख छात्र और हजारों स्कूल कर्मचारी इस दरम्यान मेट्रो से यात्रा करेंगे। डीएमआरसी ने सीआईएसएफ के साथ मिलकर परीक्षा के दिनों में बढ़ती भीड़ को प्रबंधित करने के लिए मेट्रो स्टेशनों पर विशेष सुविधा उपाय लागू करने जा रही है।

मेट्रो स्टेशनों पर बोर्ड के परीक्षार्थियों के किए गए उपाय

- मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच के दौरान सीबीएसई प्रवेश पत्र ले जाने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- टिकट ऑफिस मशीन (टीओएम) और कस्टमर केयर (सीसी) सेंटर पर टिकट खरीदते समय अपने प्रवेश पत्र दिखाने वाले छात्रों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।
- डीएमआरसी स्टाफ ने स्कूलों का दौरा किया, प्रिंसिपलों के साथ बातचीत की और उन्हें निकटतम मेट्रो स्टेशनों और छात्रों के लिए उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी।
- डीएमआरसी ने स्कूलों से छात्रों को उनकी यात्रा की योजना बनाने में सहायता के लिए आसान टिकट बुकिंग के लिए क्यूआर कोड के साथ निकटतम मेट्रो स्टेशन का विवरण प्रदान करने वाले पोस्टर लगाने का अनुरोध किया है।
- मेट्रो स्टेशनों पर विशेष केंद्रीकृत घोषणाएं की जाएंगी।
- सुगम यात्रा के लिए परीक्षा केंद्रों के निकटतम मेट्रो स्टेशनों की एक विस्तृत सूची डीएमआरसी वेबसाइट और आधिकारिक मोबाइल एप्लिकेशन पर भी अपलोड की गई है।

डीएमआरसी ऐप पर अधिक जानकारी मिल सकेगी

डीएमआरसी ने बताया कि छात्रों से अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने का आग्रह किया गया है और सभी उम्मीदवारों को उनकी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं भी देता है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट (www.delhimetrorail.com) और डीएमआरसी मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 मोबाइल ऐप पर जा सकते हैं।

65 साल से अधिक उम्र के रिक्शा चालकों को मिलेंगे 10,000 रुपये, परिवहन मंत्री सरनाईक ने की घोषणा

परिवहन विशेष न्यूज

धर्मवीर आनंद दिघे महाराष्ट्र ऑटो-टैक्सी चालक कल्याणकारी मंडल की पहली बैठक में ही परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 65 साल से अधिक उम्र के रिक्शा चालकों को 10,000 रुपये अनुदान देने की घोषणा की है। इस अवसर पर सरनाईक ने कहा कि कल्याण बोर्ड के माध्यम से रिक्शा चालकों को हर संभव मदद करने की हमारी सरकार की योजना है।

मुंबई: धर्मवीर आनंद दिघे महाराष्ट्र ऑटो-टैक्सी चालक कल्याणकारी मंडल की पहली बैठक में ही परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 65 साल से अधिक उम्र के रिक्शा चालकों को 10,000 रुपये अनुदान देने की घोषणा की है। इस अवसर पर सरनाईक ने कहा कि कल्याण बोर्ड के माध्यम से रिक्शा चालकों को हर संभव मदद करने की हमारी सरकार की योजना है। हमारी सरकार सर्वश्रेष्ठ रिक्शा- टैक्सी चालक, सर्वश्रेष्ठ रिक्शा-टैक्सी चालक संघ और सर्वश्रेष्ठ रिक्शा स्टैंड के लिए हर वर्ष एक पुरस्कार भी देगी।

परिवहन दिवस पर जारी होगा कल्याणकारी मंडल का लोगो

वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने मुख्यमंत्री काल में राज्य के ऑटो-टैक्सी चालकों की मदद के लिए धर्मवीर आनंद दिघे महाराष्ट्र ऑटो-टैक्सी चालक कल्याणकारी मंडल का गठन किया था। बोर्ड के पास 50 करोड़ रुपये फंड है। पहली बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि हर साल हम लोग 27 जनवरी को मंडल की वर्षगांठ मनाएंगे। आने वाले मार्च में परिवहन दिवस पर कल्याणकारी मंडल का लोगो जारी करेंगे। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आगे कहा कि पांच साल पहले पंजीकरण कराने वाले और 65 साल की अधिक उम्र के रिक्शा चालकों को पुरस्कार के रूप में एक बार 10,000 रुपये देंगे। वैसे, राज्य में करीब 9 से 10 लाख ऑटो-टैक्सी चालक है जिसमें 65 साल से अधिक उम्र वाले रिक्शा चालकों की संख्या 14,387 है।

कल्याणकारी मंडल का पहले बन सदस्य

धर्मवीर आनंद दिघे महाराष्ट्र ऑटो-टैक्सी चालक कल्याणकारी मंडल की योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहले ऑटो-टैक्सी चालकों को अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। राज्य के सभी रिक्शा और मीटर टैक्सी चालक 500 रुपये पंजीकरण शुल्क और 300 रुपये की सालाना सदस्यता शुल्क भरकर कल्याणकारी मंडल के सदस्य बन सकते हैं। इसके लिए सरकार एक वेबसाइट बनाई गई है। साथ ही साथ मोबाइल फोन से भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आगे चलकर कल्याणकारी बोर्ड अपने सदस्य चालकों के लिए जीवन बीमा और विकलांगता बीमा जैसी स्वास्थ्य योजनाओं का भी लाभ देगी। चालकों के बच्चों के लिए वजीफा भी दिया जा सकता है। यदि कोई चालक ड्यूटी के दौरान घायल हो जाता है तो उसे इस कल्याण बोर्ड के माध्यम से आर्थिक सहायता दी जाएगी। ऐसी कई सारी योजनाएं आने वाले दिनों में कल्याणकारी योजना के माध्यम से ऑटो-टैक्सी चालकों को दी जाएगी।

अनुराधा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वाभाव, कैरियर, रोग और उपाय:

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी.)

अनुराधा नक्षत्र में चार तारे एक पंक्ति में स्थित हैं। विद्वानों ने इस पंक्ति को पताका दंड माना है। अनुराधा का अर्थ है राधा का अनुगमन करने वाली। अनुराधा नक्षत्र के नक्षत्रपति ग्रह शनि तथा देवता मित्र नामक आदित्य हैं। जो कि द्वादश आदित्यों में से एक हैं।

अनुराधा को महर्षि अंगिरा का वंशज माना जाता है।

स्वभाव: अनुराधा नक्षत्र में जन्में जातक खोजी प्रवृत्ति के, जिज्ञासु,

ज्ञानी, बुद्धिमान, दिखने में चमकदार आंखो वाले सुंदर, मध्यम कद काठी के, विनम्रशील, सरल स्वभाव के अनुशासन प्रिय होते हैं।

विद्वानों के अनुसार इस नक्षत्र के जन्मे लोग धनी, पर्यटन प्रिय,

विदेश में बसने के लिए उत्सुक, धार्मिक तथा बल प्रदर्शक होते हैं।

कैरियर: अनुराधा नक्षत्र में जन्मे जातक ज्योतिषी, गुप्तचर विभाग, अन्वेषक, पर्यटन उद्योग, परामर्श दाता, अंकशास्त्री, चौकीदार,

संस्था प्रमुख, राजदूत, खदान कार्य, फोटोग्राफर, तांत्रिक, सम्मोहन

करता, हैकर, टेक्नीशियन आदि कार्यों में कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त करता है।

रोग: अनुराधा नक्षत्र में जन्मे लोगो को पेट के रोग और जलन, सर दर्द, मूत्र रोग, गुप्त रोग, उल्टी, बुखार, वायु विकार, गुर्दे के योग तथा सन्निपात जैसे रोगों से जूझना पड़ सकता है।

उपाय: अनुराधा नक्षत्र में जन्मे जातकों को आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ नित्य करने से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। इन्हे शमी या पीपल का वृक्षारोपण करना अत्यंत भाग्यशाली बनाता है।

इसके अलावा प्रत्येक चतुर्दशी के दिन भगवान हरि हर अर्थात शिव और विष्णु की पूजा करने से सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। लाल, नीले तथा सुनहरा रंग का प्रयोग इनके लिए लाभकारी होता है।

बार-बार एसिडिटी से परेशान हो गएं, तो अजमाएं नानी मां का यह रामबाण नुस्खा

क्या आपका भी पेट अक्सर गैस का गुब्बार बन जाता है, पेट फूलने, गैस और एसिडिटी की वजह से आप खाना भी ढंग से नहीं खा पाते हैं। इसलिए आप इस अचूक नुस्खें को एक बार जरुर ट्राई करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से अक्सर पेट संबंधित समस्याएं परेशान करती है रहती है। अगर आपको भी बार-बार गुब्बारे की तरह पेट फूलना और गैस-एसिडिटी की समस्या रहती है, जिस कारण से आप खाना भी सही से नहीं खा पाते। अब आपको इसके लिए दवाई लेने की जरुरत नहीं हैं क्योंकि दवा खाने से हेल्थ पर असर पड़ता है। यदि आप दवाई के जगह यह दादी-नानी का नुस्खा ट्राई करेंगे, तो गैस की समस्या ठीक हो जाएगी।

अदरक, नींबू और काले नमक का देसी नुस्खा

- इसके लिए सबसे पहले आप 1 चम्मच अदरक का रस, 1 चम्मच नींबू का रस और चुटकी भर काला नमक लेना। इन तीनों चीजों का कॉम्बिनेशन, डाइजेशन के लिए फायदेमंद है।

- खाना खाने से करीब 1 घंटा पहले अगर आप इसे नुस्खे को आजमाएंगी, तो भूख खुलकर लगेगी, गैस नहीं होगी, खाना आसानी से पचेगा और डाइजेशन भी ठीक होगा।

- अदरक में पाए जाने वाला जिंजरॉल, पाचन को मजबूत करने का काम करता है। इसमें

मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, गट हेल्थ के लिए भी सबसे बढ़िया होता है।

- इतना ही नहीं, पाचन को दुरूस्त करता है और पेट की गैस को कम करता है। इससे शरीर की आतिरिक्त गैस और टॉक्सिन्स भी शरीर से बाहर होती है।

- काला नमक, डाइजेस्टिव एंजाइम्स के सीक्रेशन को बढ़ाता है और इससे खाना जल्दी से पचता है।

रामचरितमानस- जानिये भाग-6 में क्या क्या हुआ

चौरासी लाख योनियों में चार प्रकार के (स्वेदज, अण्डज, उद्भिज्ज, जरायुज) जीव जल, पृथ्वी और आकाश में रहते हैं, उन सबसे भरे हुए इस सारे जगत को श्री सीताराममय जानकर मैं दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं।

श्री रामचन्द्राय नमः
पुण्यं पापहरं सदा शिवकरं विज्ञानभक्तिप्रदं
मायामोहमलापहं सुविमलं प्रेमाम्बुपूरं शुभम्।
श्रीमद्रामचरित्रमानसमिदं भक्त्यावगाहन्ति ये
ते संसारपतङ्गघोरकिरणैर्दह्यन्ति नो मानवाः॥

गोस्वामी जी द्वारा रामरूप से जीवमात्र की वंदनाः

जड़ चेतन जग जीव जत सकल राममय जानि।
बंदउँ सब के पद कमल सदा जोरि जुग पानि॥

जगत में जितने जड़ और चेतन जीव हैं, सबको राममय जानकर मैं उन सबके चरणकमलों की सदा दोनों हाथ जोड़कर वन्दना करता हूँ॥

देव दनुज नर नाग खग प्रेत पितर गंधर्ब।
बंदउँ किंनर रजनिचर कृपा करहु अब सर्ब॥

देवता, दैत्य, मनुष्य, नाग, पक्षी, प्रेत, पितर, गंधर्व, किन्नर और निशाचर सबको मैं प्रणाम करता हूँ। अब आप सब मुझ पर कृपा कीजिए॥

आकर चारि लाख चौरासी। जाति जीव जल थल नभ बासी॥
सीय राममय सब जग जानी। करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी॥

चौरासी लाख योनियों में चार प्रकार के (स्वेदज, अण्डज, उद्भिज्ज, जरायुज) जीव जल, पृथ्वी और आकाश में रहते हैं, उन सबसे भरे हुए इस सारे जगत को श्री सीताराममय जानकर मैं दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूँ॥

तुलसीदासजी की दीनता और राम भक्तिमयी कविता की महिमा

जानि कृपाकर किंकर मोहू। सब मिलि करहु छाड़ि छल छोहू॥
निज बुधि बल भरोस मोहि नाहीं। तातें बिनय करउँ सब पाहीं॥

मुझको अपना दास जानकर कृपा की खान आप सब लोग मिलकर छल छोड़कर कृपा कीजिए। मुझे अपने बुद्धि-बल का भरोसा नहीं है, इसीलिए मैं सबसे विनती करता हूँ॥

करन चहउँ रघुपति गुन गाहा। लघु मति मोरि चरित अवगाहा॥
सूझ न एकउ अंग उपाऊ। मन मति रंक मनोरथ राउ॥

मैं श्री रघुनाथजी के गुणों का वर्णन करना चाहता हूँ, परन्तु मेरी बुद्धि छोटी है और श्री रामजी का चरित्र अथाह है। इसके लिए मुझे उपाय का एक भी अंग अर्थात् कुछ (लेशमात्र) भी उपाय नहीं सूझता। मेरे मन और बुद्धि कंगाल हैं, किन्तु मनोरथ राजा है॥

मति अति नीच ऊँचि रुचि आछी। चहिअ अमिअ जग जुरइ न छाछी॥
छमिहहिं सज्जन मोरि ढिठाई। सुनिहहिं बालबचन मन लाई॥

मेरी बुद्धि तो अत्यन्त नीची है और चाह बड़ी ऊँची है, चाह तो अमृत पाने की है, पर छाछ पाने की भी योग्यता मुझमें नहीं है। सज्जन लोग मेरी ढिठाई को क्षमा करेंगे और मेरे बाल वचनों को मन लगाकर (प्रेमपूर्वक) सुनेंगे॥

जौं बालक कह तोतरि बाता। सुनहिं मुदित मन पितु अरु माता॥
हँसिहहिं कूर कुटिल कुबिचारी। जे पर दूषन भूषनधारी॥

जैसे बालक जब तोतले वचन बोलता है, तो उसके माता-पिता उन्हें प्रसन्न मन से सुनते हैं, किन्तु क्रूर, कुटिल और बुरे

विचार वाले लोग जो दूसरों के दोषों को ही भूषण रूप से धारण किए रहते हैं (अर्थात जिन्हें पराए दोष ही प्यारे लगते हैं), वे मुझ पर हँसेंगे॥

निज कबित्त केहि लाग न नीका। सरस होउ अथवा अति फीका॥
जे पर भनिति सुनत हरषाहीं। ते बर पुरुष बहुत जग नाहीं॥

ऐसे भी यह जगत की रीति है कि रसीली हो या अत्यन्त फीकी, अपनी कविता किसे अच्छी नहीं लगती? किन्तु जो दूसरे की रचना को सुनकर हर्षित होते हैं, ऐसे उत्तम पुरुष जगत में बहुत नहीं हैं॥

जग बहु नर सर सरि सम भाई। जे निज बाढ़ि बढ़हि जल पाई॥
सज्जन सकृत सिंधु सम कोई। देखि पूर बिधु बाढ़इ जोई॥

हे भाई! जगत में तालाबों और नदियों के समान मनुष्य ही अधिक हैं, जो जल पाकर अपनी ही बाढ़ से बढ़ते हैं (अर्थात अपनी ही उन्नति से प्रसन्न होते हैं)। समुद्र सा तो कोई एक बिरला ही सज्जन होता है, जो चन्द्रमा को पूर्ण देखकर (दूसरों का उत्कर्ष देखकर) प्रसन्नता से उमड़ पड़ता है॥

भाग छोट अभिलाषु बड़ करउँ एक बिस्वास।
पैहहिं सुख सुनि सुजन सब खल करिहहिं उपहास॥

मेरा भाग्य छोटा है और इच्छा बहुत बड़ी है, परन्तु मुझे एक विश्वास है कि इसे सुनकर सभी सज्जन लोग सुख पाएंगे और दुष्ट लोग मेरी कविता की हँसी उड़ावेंगे॥

खल परिहास होइ हित मोरा। काक कहहिं कलकंठ कठोरा॥
हंसहि बक दादुर चातकही। हँसहिं मलिन खल बिमल बतकही॥

किन्तु दुष्टों के हँसने से मेरा हित ही होगा। मधुर कण्ठ वाली कोयल को कौए तो कठोर ही कहा करते हैं। जैसे बगुले हंस को और मेंढक पपीहे को हँसते हैं, वैसे ही मलिन मन वाले दुष्ट निर्मल वाणी को हँसते हैं॥

कबित रसिक न राम पद नेहू। तिन्ह कहँ सुखद हास रस एहू॥
भाषा भनिति भोरि मति मोरी। हँसिबे जो हँसें नहिं खोरी॥

जो न तो कविता के रसिक हैं और न जिनका श्री रामचन्द्रजी के चरणों में प्रेम है, उनके लिए भी यह कविता सुखद हास्यरस का काम देगी। प्रथम तो यह भाषा की रचना है, दूसरे मेरी बुद्धि भोली है, इससे यह हँसने के योग्य ही है, हँसने में उन्हें कोई दोष नहीं॥

प्रभु पद प्रीति न सामुझि नीकी। तिन्हहि कथा सुनि लागिहि फीकी॥
हरि हर पद रति मति न कुतर की। तिन्ह कहँ मधुर कथा रघुबर की॥

जिन्हें न तो प्रभु के चरणों में प्रेम है और न अच्छी समझ बूझ ही है, उनको यह कथा सुनने में नीरस और फीकी लगेगी किन्तु जो लोग शुद्ध बुद्धि से प्रभु के चरणों में प्रीति रखते हैं उन लोगों को श्री रघुनाथजी की यह कथा अत्यंत मधुर, मीठी और सरस लगेगी॥

शेष अगले प्रसंग में ------

राम रामेति रामेति, रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्रनाम तत्तुल्यं, रामनाम वरानने॥

फरवरी में खुल गया है राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान, जानिए कब और कैसे बुक करें टिकट

हर साल एक सीमित अवधि के लिए ही राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान आम जनता के लिए खोला जाता है। आज हम आपको अमृत उद्यान पहुंचने और ऑनलाइन टिकट बुक करने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

हर साल एक सीमित अवधि के लिए ही अमृत उद्यान आम जनता के लिए खोला जाता है। अमृत उद्यान में आपको फूलों की कई प्रजातियां देखने को मिलती हैं। जो साल में सिर्फ एक खास समय पर ही देखने को मिलता है। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों को पता होगा कि यह उद्यान साल में सिर्फ 2 बार खोला जाता है। एक बार यह उद्यान फरवरी से मार्च में खुलता है और फिर अगस्त में खोला जाता है। पिछले साल की तरह इस साल भी 02 फरवरी 2025 से अमृत उद्यान पर्यटकों के लिए खोला गया है।

ऐसे में आप 03 मार्च तक यहां पर घूमने के लिए आ सकते हैं। अगर आप भी रंग-बिरंगे फूलों और हरे-भरे वातावरण का नजारा देखना पसंद करते हैं, तो आपको इस उद्यान के बंद होने से पहले यहां जरूर घूमने के लिए आना

चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अमृत उद्यान पहुंचने और ऑनलाइन टिकट बुक करने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

अमृत उद्यान खुलने का समय

बता दें कि आप अमृत उद्यान में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक घूम सकते हैं। लेकिन शाम को लास्ट एंट्री 05:15 मिनट पर होती है। अगर आप इसके बाद आते हैं, तो फिर आप अमृत उद्यान नहीं घूम पाएंगे। क्योंकि शाम को 6 बजे सभी यात्रियों को उद्यान से बाहर जाना पड़ता है। वहीं उद्यान भी काफी बड़ा है और अगर आप यहां आ रहे हैं, तो आप थोड़ा समय लेकर आएं। यह पार्क सप्ताह में 6 दिन खुला रहता है और सोमवार के दिन यह उद्यान आम लोगों के लिए बंद रहता है।

अगर आप अमृत उद्यान घूमने के लिए जा रहे हैं, तो आपको नॉर्थ एवेन्यू के पास स्थित राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से एंट्री ले सकते हैं।

अमृत उद्यान के पास मेट्रो स्टेशन सेंट्रल सेक्रेटेरियट यानी केंद्रीय सचिवालय है। यहां से पहुंचना आपके लिए आसान होगा, क्योंकि यहां पर शटल सेवा भी मिलती है।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग

अमृत उद्यान में घूमने के लिए आपको टिकट के नाम पर एक रुपए भी नहीं खर्च करना पड़ेगा। यहां पर घूमना निशुल्क है और आप इसकी टिकट फ्री में ऑनलाइन आरक्षित कर सकते हैं।

आपको टिकट लेने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/ पर जाना होगा।

फिर इस वेबसाइट पर क्लिक करेंगी तो आपके सामने होम पेज पर Book Your Visit Now का ऑप्शन मिलेगा।

इस पर क्लिक करने पर आपके सामने पेज खुलेगा, जिसमें आपसे यात्रा की डेट, समय और यात्रियों की संख्या के बारे में पूछा जाएगा।

सभी डिटेल्स पर क्लिक करने के बाद Continue पर क्लिक कर दें।

इस तरह से आपकी टिकट बुक हो जाएगी।

यह दिल्ली में घूमने वाली अच्छी जगहों में से एक है। आप वीकेंड पर यहां जाने का प्लान बना सकते हैं।

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी न जकड़ लें, इसलिए इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए इन सुपरफूड्स का करें सेवन

फरवरी के महीने में सर्दी धीरे-धीरे खत्म होने लगती है। बदलते मौसम में फ्लू, ,सर्दी-खांसी सबसे ज्यादा फैलती है। कमजोर इम्यूनिटी के कारण बीमारियां सबसे ज्यादा बढ़ जाती है। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सेवन जरुर करें।

सर्दियों के मौसम में अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। क्योंकि जरा सी लापरवाही बरतने से आपको सर्दी-खांसी और जुकाम जैसी समस्या हो जाती है। इस मौसम में खुद को स्वस्थ रखने के लिए इम्यूनिटी को मजबूत करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि जब आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी तो मौसमी बीमारियों से खतरा कम होता है और आप सेहतमंद बने रहेंगे। हालांकि बहुत से लोग इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। लेकिन यह दवाएं आपके शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

लहसुन का सेवन करें

इस मौसम के दौरान लहसुन का सेवन करने से इम्यून सेल जैसे मैक्रोफेज, लिम्फोसाइट, नेचरुल किलर सेल जैसे सेल्स को एक्टिव करता है, जिससे इम्यूनिटी बेहतर होती है। लहसुन में एलिसिन, जो कि एंटी-माइक्रोबियल एजेंट है, जिससे कई बीमारियां दूर होती हैं। खाने से पहले अगर आप लहसुन को क्रश कर के खाने से इसमें मौजूद एलिसिन की मात्रा और भी बढ़ जाती है।

हल्दी

बदलते मौसम में आप जितना हल्दी का सेवन करेंगे उतना ही आराम मिलेगा। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। इम्यून सेल जैसे B-सेल, T-सेल, मैक्रोफेज आदि एक्टिव होते हैं, इससे इम्यूनिटी मे मजबूत होती है।

बादाम

बादाम की तासीर गर्म होती है, बदलते मौसम में बादाम का सेवन करना चाहिए, क्योंकि इसमें हेल्दी फैट सर्दियों के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है और शरीर को ताकत देता है। इसमें विटामिन, मिनरल, कैल्शियम, आयरन और पोषक तत्वों से भरपूर बादाम एक जबरदस्त इम्यूनिटी मजबूत होती है।

सिट्रस फ्रूट्स

बदलते मौसम में बीमारियों से बचने के लिए विटामिन-सी रिच फ्रूट्स का सेवन करना जरुरी है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल इम्यूनिटी सेल के निर्माण में मदद करता है।

पुलवामा में शहीद हुए मां भारती के वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

"अमर शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता, उनकी शहादत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगी और हमें देश की सुरक्षा के प्रति संकल्पित रहने की प्रेरणा देती रहेगी"

"हम भारतीय उनका ऋण कभी नहीं चुका सकते, लेकिन हम इतना जरूर कर सकते हैं कि उनकी कुर्बानी को व्यर्थ न जाने दें हमें एकजुट रहना होगा, राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लेना होगा "

आगरा, संजय साग़र सिंह। वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने पुलवामा में हुए शहीदों के परिवारों की पीड़ा को व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह दिन सिर्फ एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक दर्द और बलिदान की अमिट गाथा बन चुका है। शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उनकी शहादत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगी और हमें देश की सुरक्षा के प्रति संकल्पित रहने की प्रेरणा देती रहेगी। 14 फरवरी का वह एक आम दिन था लेकिन किसे पता था कि यह दिन इतिहास में दर्द, आंसू और बलिदान की अमर गाथा लिख जाएगा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुआ कायराना आतंकी हमला, जिसमें हमारे 40 वीर जवान शहीद हो गए थे वह सिर्फ एक हमला नहीं था, बल्कि यह पूरे देश के सीने में दहकती हुई चोट थी। आज, जब हम उन अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, तो आंखें भर आई है, दिल बोझिल है और शब्द बहुत ही रुक-रुककर साथ दे रहे हैं। अब ज़रा कल्पना कीजिए, वो माता-पिता जिन्होंने अपने बेटे को बड़े लाड़-प्यार से पाला होगा। उसकी मासूम हंसी से अपने जीवन की हर पीड़ा को भुला दिया होगा। ज़ब वह बेटा सेना में भर्ती हुआ, तो माता-पिता और पुरे परिवार ने गर्व से सिर ऊंचा किया होगा और जब उसने भारतीय सेना की वदी पहनी होंगी और देश की रक्षा के लिए चल पड़ा होगा तो उनकी मां ने आंखों में आंसू लिए माथे पर तिलक लगाया होगा और कहा होगा -'₹देश से बढ़कर कुछ नहीं बेटा !₹ लेकिन वह माता-पिता और पूरा परिवार ये नहीं जानते होगा कि वह बेटे को आखिरी बार देख रही है। वह माँ, बहन और पत्नी यह नहीं जानती होंगी कि जिस कंधे पर वह सिर रखकर अपना दर्द बांटती थी, उसी को एक दिन तिरंगे में लिपटा देखेगी।

श्री खान ने आगे कहा, 'उस मनहूस दिन, जब बेटे के शहीद होने की खबर आई होंगी तो उस मां, बहन, पत्नी, बच्चे और परिवार के आँशुओं ने आसमान तक को हिला दिया होगा। वह माता पिता और परिवार अपने बेटे, भाई और पति की तस्वीर से लिपटकर बिलख पड़ी होंगी और वो पिता, जिसने बेटे को अपने कंधों पर झुलाया होगा और हाथ पकड़कर चलना सिखाया होगा, आज उसी बेटे की शहादत पर गम और गर्व से अपना सिर उठाकर खड़ा होगा और बूढ़े कांपते हाथों से बेटे को अंतिम विदाई देते हुए अपने आँशु छुपाते हुए वह रोया नहीं होगा क्योंकि उसने बेटे को देशभक्ति का पाठ पढ़ाया होगा लेकिन उसकी आंखों में उसके चले जाने का अकेला पन जरूर होगा, जो की शब्दों में व्या नहीं किया जा सकता। उस परिवार की दुनिया उजड़ गई होंगी लेकिन वह गर्व से कहते होंगे कि मेरा बेटा, भाई और पति मरे नहीं, वह अमर हो गए हैं। ज़ब, वह घर-परिवार वीरान हो चुका होगा। लेकिन कुछ बच्चे जो अपने पिता को 'हीरो' मानते होंगे वह आज़ उनको यादकर अपने रियल हीरो की कहानियों गर्व से बता रहे होंगे लेकिन शब्द कितने भी गहरे क्यों न हों, वे उस दर्द को व्यक्त नहीं कर सकते, जो पुलवामा के शहीदों के परिवारों ने सहा होगा। आज़, हम मोमबत्तियां जलाकर, श्रद्धांजलि अर्पित करके उन्हें याद तो कर सकते हैं, लेकिन क्या हम उनके बलिदान और त्याग को समझ सकते है?'

अंत में वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने कहा, 'यह देश वीर जवानों का आभारी है। हम उनका ऋण कभी नहीं चुका सकते लेकिन हम इतना जरूर कर सकते हैं कि उनकी कुर्बानी को व्यर्थ न जाने दें। हमें एकजुट रहना होगा, राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लेना होगा और उन कायरों को कभी माफ नहीं करना होगा, जिन्होंने हमारी मिट्टी को लहूलुहान किया। आज जब हम पुलवामा के शहीदों को याद कर रहे हैं, तो हमारी आंखों में आंसू है, लेकिन दिल में गर्व भी है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि असली प्रेम देश के लिए होता है, असली त्याग वही होता है जो मातृभूमि के लिए दिया जाता है। पुलवामा हमलें में शहीद हुए भारत माता के सभी वीर जवानों के बलिदान और शौर्य को शत्-शत नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि। जय हिन्द।'

भाजपा ने हर महिला को 8 मार्च तक 2500 रुपए देने का वादा किया है, लेकिन मोदी की गारंटी का एक भी वादा पूरा करने का उसका कोई इरादा नहीं है- आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा दिल्लीवालों से किए अपने सारे वादे पूरे करने को लेकर दबाव बढ़ा दिया है। शुक्रवार को ₹आपऱ की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली की जनता के सामने पिछले 10 साल में आम आदमी पार्टी की सरकार में हुए आर्थिक विकास के आंकड़े रखे, ताकि भाजपा आने वाले समय में वित्तीय संकट का कोई बहाना न बना पाए। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार भाजपा को एक मजबूत आर्थिक विकास का बजट सौंपकर जा रही है। इसलिए भाजपा कोई बहाना बनाए बिना अपने सारे वादे पूरा करे। भाजपा ने हर महिला को 8 मार्च तक 2500 रुपए देने का वादा किया है, लेकिन मोदी की गारंटी का एक भी वादा पूरा करने का उसका कोई इरादा नहीं है। इसलिए भाजपा अपनी लूट को छिपाने और वादे न पूरा होने के लिए आम आदमी पार्टी पर दिल्ली सरकार को वित्तीय संकट में डालने का ठीकरा फोड़ने की कोशिश करेगी।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा ने चुनाव के समय दिल्लीवालों से कई वादे किए थे। उन्होंने मोदी की गारंटी कहकर लोगों में पर्चा बांटा था। इसमें पहला वादा है कि दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए प्रति माह आर्थिक सहायता दी जाएगी। भाजपा ने बार-बार यह कहा था कि जैसे ही सरकार बनेगी तो कैबिनेट की पहली बैठक में दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए की आर्थिक सहायता देने पर निर्णय होगा और 8 मार्च तक दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपए की पहली किस्त आ जाएगी। लेकिन भाजपा के सूत्रों के हवाले से हमें पता चला है कि न सिर्फ 2500 रुपए हर महीने, बल्कि भाजपा ने जो बाकी वादे किए थे, उनको पूरा करने का उसका कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा कि अभी भाजपा के अंदर विधायकों के बीच में यह लड़ाई चल रही है कि कौन किस विभाग का मंत्री बनेगा और कौन कितनी लूट कर सकता है। भाजपा ने यह प्लान बनाया है कि वह अपने वादे पूरे न करने का ठीकरा आम आदमी पार्टी पर फोड़ेंगे और कहेंगे कि हम यह वादे इसलिए पूरे नहीं कर पाए क्योंकि दिल्ली सरकार के पास पैसा नहीं है। और कहेंगे कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार को एक वित्तीय संकट में डाल दिया। भाजपा यह सारे बहाने करके अपनी लूट को छिपाने की कोशिश करेगी। अपने वादे तोड़ने के लिए बहाने बनाएंगे।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री होने के नाते मैं आज दिल्लीवालों के सामने आम आदमी पार्टी की सरकार में पिछले 10 साल में दिल्ली के अंदर हुए आर्थिक विकास के आंकड़े रख रही हूं, ताकि भाजपा आने वाले समय में कोई बहाना न बना पाए और दिल्लीवालों से किए वादे पूरा करे। दिल्ली में 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। 2014-15 में दिल्ली के अंदर राष्ट्रपति शासन था। उस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने दिल्ली का बजट पेश किया था। उस दौरान 2014-15 में दिल्ली का कुल बजट 31 हजार करोड़ रुपए था। इस बजट में यह समझने वाली बात है कि दिल्ली को केंद्र सरकार से कोई पैसा नहीं मिलता है। इसलिए दिल्ली का बजट उसके खुद के रेवेन्यू से आता है। पहले वैट से आता था, अब जीएसटी और एक्साइज इत्यादि से आता है।

आतिशी ने कहा कि इससे पहले 2009-10 में दिल्ली का बजट 25 हजार करोड़ रुपए था, और पांच साल में बढ़कर 2014-15 तक यह 31 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचा था। यानी पांच साल में दिल्ली के बजट में 6 हजार करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। यह आम आदमी पार्टी की सरकार आने से पहले था। 2014-15 में 31 हजार करोड़ रुपए से लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2024-25 में 77 हजार करोड़ रुपए का बजट दिल्ली विधानसभा में पेश किया। यानी दस साल में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के बजट में 46 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की। दस साल में दिल्ली का बजट और आर्थिक विकास ढाई गुना से ज्यादा हो गया। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बजट को 31 हजार करोड़ रुपए से 77 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाया। न केवल इतना बल्कि कांग्रेस की सरकार से आम आदमी पार्टी की सरकार को विरासत के तौर पर जो कर्ज मिला था, उसे भी आधे से ज्यादा चुका

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के कर्ज को उसके डेट टू जीडीपी रेश्यो से आंका जाता है कि सरकार के कुल जीडीपी का कितना हिस्सा कर्ज है। 2014 में यह 6.6 फीसद था, 2023 तक यह घटकर 3.9 फीसद आ गया और 2024 में जब हम यह सरकार को छोड़कर जा रहे हैं तो दिल्ली ऋण-जीडीपी अनुपात मात्र 3 फीसद है। यानी आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की सरकार ने पिछली सरकारों से जो कर्ज विरासत में मिला, उस कर्ज को भी चुकाया। वहीं, भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, जहां कई सालों से भाजपा की सरकार है, वहां ऋण-जीडीपी अनुपात 32.5 फीसद है। मध्य प्रदेश में ऋण-जीडीपी अनुपात 33 फीसद है। आज आम आदमी पार्टी की सरकार मात्र 3 फीसद कर्ज भाजपा की सरकार के पास छोड़कर जा रही है।

आतिशी ने कहा कि कैग की 2022 की रिपोर्ट ने यह साफ-साफ कहा था कि दिल्ली देश का एकमात्र राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) राज्य है। और यह 2015 से है जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी। मैं भाजपा को यह कहना चाहती हूं कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की सरकार भाजपा को दिल्ली की आर्थिक विकास बेहतर करके सौंप रही है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों को जो वादे किए हैं, मैं उम्मीद करती हूं कि भाजपा वित्तीय बहाने बनाए बिना और झूठ बोले बिना इन वादों को पूरा करेगी। खासतौर से उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का जो वादा किया है, जिसे कैबिनेट की पहली बैठक में पास कराकर 8 मार्च तक महिलाओं के खाते में पहली राशि भेजनी है। हम उम्मीद करते हैं कि भाजपा अपने वादों को पूरा करे।

दिल्ली में तीन वायरस का कहर, अस्पतालों में मरीज बढ़ने से डॉक्टरों की बढ़ी चिंता; जानें बचाव के उपाय

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में फ्लू के मामतों में तेजी से इजाफा हो रहा है। स्वाइन फ्लू (H1N1) के अलावा H3N2 और इन्फ्लूएंजा बी वायरस के संक्रमण के मामले भी सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सांस हृदय रोग सहित विभिन्न पुरानी बीमारियों से पीड़ित मरीजों बच्चों बजुर्गों व गर्भवती महिलाओं को फ्लू से गंभीर बीमारी होने का जोखिम अधिक होता है।

नई दिल्ली। बदलते मौसम में इन फ्लू का संक्रमण भी बढ़ गया है। इस वजह से फ्लू के संक्रमण से पीड़ित होकर अस्पतालों में अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। डॉक्टर बताते हैं कि इन फ्लू के एक या दो वायरस का नहीं बल्कि तीन वायरस का संक्रमण फैला हुआ है।

यही वजह है कि स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के अलावा एच3एन2 और इन्फ्लूएंजा बी वायरस के संक्रमण के मामले देखे जा रहे हैं। एन3एन2 के संक्रमण से पीड़ित मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। थोड़ी राहत की बात यह है कि यह स्वाइन फ्लू की तुलना में कम घातक होता है। स्वाइन फ्लू में गंभीर बीमारी होने का जोखिम अधिक होता है। इसलिए डाक्टर सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

भीड़ वाली जगहों पर मास्क का इस्तेमाल

डॉक्टरों का कहना है कि सांस, हृदय रोग सहित विभिन्न पुरानी बीमारियों से पीड़ित मरीजों, बच्चों, बजुर्गों व गर्भवती महिलाओं को फ्लू से गंभीर बीमारी होने जोखिम अधिक होता है। इस वजह से इन लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है और भीड़ वाली जगहों पर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मरीजों को श्वसन तंत्र के ऊपरी हिस्से में संक्रमण

शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल के पल्मोनरी मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. विकास मौर्या ने बताया कि जनवरी के माह में भी फ्लू के मामले आ रहे थे लेकिन इसकी तुलना में अभी मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। स्वाइन फ्लू की तुलना में एच3एन2 संक्रमण के मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। एच3एन2 से ज्यादातर मरीजों को श्वसन तंत्र के ऊपरी हिस्से में संक्रमण होता है।

मरीजों के फेफड़े में भी निमोनिया जैसी परेशानी

इससे फेफड़े में संक्रमण होने का जोखिम कम होता है। लेकिन एन3एन2 के कुछ मरीजों के फेफड़े में भी निमोनिया जैसी परेशानी देखी जा रही है। स्वाइन फ्लू होने पर फेफड़े में संक्रमण होने का जोखिम अधिक होता है। इसलिए इन दिनों सर्दी, जुकाम, गले में खराश, दर्द व बुखार के साथ सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत डाक्टर को दिखाकर दवा लेनी चाहिए।

बदलते मौसम में फ्लू का संक्रमण ज्यादा

आकाश सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के पल्मोनरी मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. अक्षय बुधराजा ने बताया कि एन1एन1 और एन3एन2 के अलावा इन्फ्लूएंजा बी वायरस और आरएसवी (रेस्पिरेटरी सीनसीटियल वाइरस) का संक्रमण भी देखा जा रहा है। बदलते मौसम में फ्लू का संक्रमण ज्यादा फैलता है।यही वजह है कि बरसात के बाद अक्सर सितंबर व अक्टूबर में फ्लू का संक्रमण शुरू होता है और पूरे सर्दी के मौसम में इसके मरीज देखे जाते हैं।

इन सभी वायरस में मरीजों को एक जैसे लक्षण होते हैं और इलाज भी एक जैसा ही होता है। इलाज के लिए एंटी वायरल दवा उपलब्ध है। इसलिए घबराने की जरूरत है नहीं लेकिन सतर्कता जरूरी है। ज्यादातर मरीज पांच से सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ मरीजों को ठीक होने में दस से 15 दिन समय भी लग रहा है।

बचाव के उपाय

सर्दी जुकाम व बुखार होने पर अलग कमरे में रहना चाहिए।

बाजार या भीड़ में बाहर निकलने पर मास्क का इस्तेमाल करें।

हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

खानपान में ठंडी चीजें खाने से परहेज करें।

सर्दी जुकाम व बुखार के साथ यदि सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं।

फ्लू का टीका उपलब्ध है। बचाव के लिए टीका ले सकते हैं।

बचाव के लिए मास्क लगा सकते हैं। फ्लू का टीका भी उपलब्ध है। टीका लगाया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस ने चलाया ऑपरेशन 'कवच 7.0', 784 जगहों पर छापेमारी; धड़ाधड़ 90 गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन कवच 7.0 के तहत बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों और संगठित अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। 24 घंटे के इस अभियान में 15 जिलों में 784 स्थानों पर छापेमारी की गई और 87 एनडीपीएस मामलों में 90 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। भारी मात्रा में मादक पदार्थ भी जब्त किए गए।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और सभी 15 जिलों की स्थानीय पुलिस यूनिट ने आपरेशन 'कवच 7.0' के तहत बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों और संगठित अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। यह 24 घंटे का समन्वित अभियान 12 फरवरी की शाम 6 बजे से 13 फरवरी की शाम 6 बजे तक चला, जिसमें दिल्ली के 15 जिलों में 784 स्थानों पर छापेमारी की गई।

48 दोपहिया वाहन भी जब्त

अभियान के दौरान 87 एनडीपीएस मामलों में 90 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए गए। बरामदगी में 553.05 ग्राम हेरोइन, 43.028 किलोग्राम गांजा, 199 ग्राम कोकीन और 2,07,600 अल्प्राजोलम टैबलेट शामिल हैं। इसके अलावा, 48 दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए।

विशेष पुलिस आयुक्त अपराध देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशानुसार दिल्ली पुलिस (Delhi Police) द्वारा नशीली दवाओं और नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

अभियान के तहत नार्को-अपराधियों पर समन्वित छापेमारी की कार्रवाई की योजना बनाई गई। मानव खुफिया जानकारी के साथ-साथ तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से जानकारी विकसित की गई और पूरी दिल्ली में एक साथ ये ऑपरेशन चलाया गया।

784 स्थानों पर छापेमारी कर की कार्रवाई

87 एनडीपीएस मामलों में 90 नार्को-अपराधियों को किया गिरफ्तार।

553.05 ग्राम हेरोइन, 43.028 किलोग्राम गांजा, 199 ग्राम कोकीन और अल्प्राजोलम की 2,07,600 गोलियां की गईं जब्त।

आबकारी अधिनियम के तहत 157 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 161 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई।

94 बोतलें और 432 कैन बीयर, 33,098 क्वार्टर अवैध शराब और 5 हुक्का जब्त।

27 आर्म्स एक्ट मामलों में 29 लोगों को किया गया गिरफ्तार।

1 रिवॉल्वर, 1 पिस्टल, 6 कट्टे, 11 कारतूस, 1 सर्जिकल ब्लेड, 18 चाकू, 24,000 नकद और 2 चोरी की मोटरसाइकिलें और 2 चोरी के रिक्शा बरामद।

909 व्यक्तियों को निवारक हिरासत में लिया गया, 5077 व्यक्तियों को 65 डीपी अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया।

48 वाहनों को यू/एस 66 डीपी अधिनियम के तहत जब्त किया गया।

शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में अवैध तंबाकू बिक्री पर कार्रवाई करते हुए 1,407 लोगों पर कोटपा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

कोटपा अधिनियम के तहत एक व्यक्ति को 10,000 सिगरेट पैकेट के साथ गिरफ्तार किया गया।

गाली-गलौज पार्टी हमेशा ही पैसे और गुंडागर्दी के दम पर चुनाव लड़ती रही है, लेकिन शनिवार के बाद उनका सारा खेल खत्म हो जाएगा- मनीष सिसोदिया

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की संसद में उनके ऊपर की गईं टिप्पणियों पर पलटवार किया है। सांसद राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी करके बताया कि कैसे वित्त मंत्री ने तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल करके मिडिल क्लास को गुमराह करने और असली टैक्स मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। साथ ही, राघव चड्ढा ने वित्त मंत्री से व्यक्तिगत हमलों से बचने की अपील भी की है।

राघव चड्ढा ने राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री द्वारा उन पर की गईं टिप्पणियों का कड़ा जवाब दिया। एक वीडियो संदेश जारी कर उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने उनकी बातों का मजाक उड़ाया और उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि उन्हें राज्यसभा में अपनी स्थिति स्पष्ट करने का मौका नहीं दिया गया। इसलिए उन्होंने सीधे वीडियो के जरिए इस मुद्दे पर अपनी बात कही है।

वित्त मंत्री ने गंभीर मुद्दों को किया नजरअंदाज

राघव चड्ढा ने स्पष्ट किया कि उनके बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। उन्होंने रेल यात्रियों की समस्याएं, मिडिल क्लास की खस्ता माली हालत, अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ और गिरते भारतीय रुपये पर अपनी बात संसद में रखी थी। लेकिन वित्त मंत्री ने इन गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया और केवल उनके द्वारा टैक्स छूट को लेकर दिए गए एक उदाहरण पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने आयकर छूट के गणित को समझाने की कोशिश की थी।

दरअसल टैक्स रिबेट है ये कर छूट

सांसद राघव चड्ढा ने कहा, 'मैं अपनी बात पर पूरी तरह से कायम हूं। 12 लाख रुपये की छूट कोई कर छूट (tax exemption) या कटौती (tax deduction) नहीं है, बल्कि यह एक टैक्स रिबेट है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई व्यक्ति वित्तीय वर्ष में 12 लाख से एक रुपया भी अधिक कमाता है, तो उसे पूरी आमदनी पर टैक्स देना होगा। वित्त मंत्री ने इस उदाहरण को तकनीकी रूप से मुश्किल बनाने की कोशिश की और यह दिखाने की कोशिश की, अगर कोई व्यक्ति 12 लाख से अधिक कमाता है, तो उसे पूरी आय पर कर देना होगा।'

13 लाख रुपये की आय पर देना होगा पूरा टैक्स

उन्होंने मार्जिनल टैक्स रिलिफ को भी स्पष्ट किया, जो सिर्फ 12.75 लाख तक की आमदनी पर ही लागू होती है। 'उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की सालाना इनकम 13 लाख रुपये है, तो क्या उसे पूरी 13 लाख रुपये की आय पर टैक्स देना होगा या केवल 1 लाख रुपये पर जो 12 लाख रुपये से अधिक है? सही उत्तर यह है कि उसे पूरी 13 लाख रुपये की आमदनी पर टैक्स देना होगा।'

एक और उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि 'यदि किसी व्यक्ति की सालाना आय 12.76 लाख रुपये है, तो उसे पूरे 12.76 लाख रुपये पर कर देना होगा, न कि केवल 76,000 रुपये पर। मैंने यह उदाहरण टैक्स रिबेट के कॉन्सेप्ट को स्पष्ट करने के लिए दिया था और मैं अपनी बात पर कायम हूं कि यदि किसी की आय 12 लाख से एक रुपया भी अधिक होती है, तो उसे पूरी आमदनी पर टैक्स देना होगा।'

व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें वित्त मंत्री

राघव चड्ढा ने वित्त मंत्री द्वारा की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों पर भी निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'उन्होंने मेरे बयान पर व्यक्तिगत टिप्पणी की। मैं बस यही कहना चाहता हूं कि मैं वित्त मंत्री का पूरा सम्मान करता हूं। वे मुझसे अधिक अनुभवी हैं, वरिष्ठ पद पर हैं और उम्र में भी मुझसे बड़ी हैं। मेरी बस यही अपील है कि भविष्य में वे इस तरह की व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें और सिंपल टैक्स कॉन्सेप्ट्स को तकनीकी रूप से मुश्किल न बना कर आसान भाषा में जनता के सामने पेश करें।'

तीन दिवसीय 45वें दास धर्म संत समागम का हुआ भव्य शुभारंभ ईश्वर पर सब कुछ छोड़ो, सदा सत्कर्म करते रहो- संत त्रिलोचन दास

सुषमा रानी

नई दिल्ली। सचखंड नानक धाम में संत त्रिलोचन दास महाराज के सानिध्य में आज से तीन दिवसीय 45वें दास धर्म संत समागम का भव्य शुभारंभ हुआ जिसमे लाखों भक्तों ने भाग लिया। पहले दिन का विशेष आकर्षण रहा कलश यात्रा जिसमे लगभग 1000 महिलाओं द्वारा सुहागिन महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया, साथ ही संत त्रिलोचन दास व गुरु माँ विभूति त्रिलोचन दास ने 150 बेड के अस्पताल की नींव रखी जो कि एक मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल होगा जिसमें गरीबों का मुफ्त इलाज किया जाएगा साथ ही नई तकनीक वाली मशीने लगायी जाएगी। इस संत समागम में देश विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे साथ ही विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार शर्मा ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। संत त्रिलोचन दास महाराज ने 45वे दास धर्म संत समागम के अवसर पर भक्तों के सामने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा की सचखंड में तीन दिन का महाकुम्भ है जिसमे भक्त आस्था प्रेम की डुबकी लगाकर तर जाते है। ईश्वर की कृपा सभी पर बरसती रहे जिसके साथ ईश्वर है उसके लिए कांटे भी फूल बन जाते है संघर्षों में कभी घबराना नहीं बल्कि उनका सामना करना चाहिए क्योंकि ये मौका उन्हीं को मिलता जिनके साथ प्रभु का आशीर्वाद होता है इसलिए ईश्वर पर सब कुछ छोड़ो, सदा सत्कर्म करते रहो। संत त्रिलोचन दास महाराज ने आगे कहा कि ये जीवन नश्वर है आपके सत्कर्म ही आपके साथ जाते है इस दौरान उनके प्रवचन सुनने के लिए देश विदेश के हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। सचखंड नानक धाम की बात की जाए तो ये एक ऐसा धाम है जिसमें संत त्रिलोचन दास महाराज की कृपा से निरंतर सामाजिक और देश हित के कार्य किए जाते है, तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में जहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है वहीँ कल यहाँ 101 सनातनी धर्मगुरु आकर भक्तों को आशीर्वाद देंगे। इस अवसर पर गुरु माँ विभूति त्रिलोचन दास ने कहा इस समागम में श्रद्धालुओं के लिए विशेष मेडिटेशन कैंप का भी आयोजन किया गया है। हैरी दास जो यूनाइटेड किंगडम से आये हुए हैं उन्होंने बताया कि समागम में सफाई, सुरक्षा व मेडिकल सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

'सरकार बदली है पर बदलाव तभी दिखाई देखा जब...', एलजी सक्सेना ने दिल्ली नगर निगम कर्मचारियों से की बात

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी होने के बाद भी दिल्ली की स्वच्छता रैंकिंग में लगातार पिछड़ते एमसीडी इलाके को स्वच्छ करने के लिए अब उपराज्यपाल वीके सक्सेना (LG VK Saxena) ने सफाई कर्मचारियों और सफाई निरीक्षकों से निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में संवाद किया और दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर व हरी भरी बनाने के लिए सहयोग मांगा।

उन्होंने दिल्ली के उन इलाकों की स्वच्छता कराने पर जोर दिया है जिसमें सफाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि कहा कि दिल्ली की जनता ने बदलाव करके नई सरकार चुनी है। यह बदलाव सफाई कर्मचारियों के लिए भी एक चुनौती है। जनता द्वारा लाया गया यह बदलाव तभी दिखाई देगा जब दिल्ली पूरी तरह से स्वच्छ और हरी-भरी हो जाएगी।

हमें अभी और मेहनत करनी है और दिल्ली को स्वच्छ बनाना है-एलजी

सफाई कर्मचारियों ने दिल्ली (Delhi News) को साफ करने के लिए पुरजोर प्रयास किए हैं, हालांकि ये प्रयास कम पड़ रहे हैं। हमें अभी और मेहनत करनी है और दिल्ली को स्वच्छ बनाना है। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष एमसीडी की स्वच्छता रैंकिंग 446 में से 90 वां स्थान आया था।

उपराज्यपाल ने कहा कि वह करीब ढाई वर्ष से दिल्ली के अलग-अलग समूह से बात करके राजनिवास में संवाद कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने तीन दिन पहले जब निगमायुक्त अश्विनी कुमार से राजनिवास में मुलाकात हुई तब उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम की इच्छा जताई थी।

'समस्याओं को सुनने के लिए **राजनिवास** के दरवाजे 24 घंटे खुले'

उन्होंने कहा कि संवाद में उन्हें लगा था कि बहुत सारे सवाल होंगे लेकिन कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए। जो कि यह दिखाता है कि कर्मी अपने काम से संतुष्ट हैं। लगातार यह संवाद जारी रहेगा। अगर, आपकी कोई समस्या है तो उन समस्याओं को सुनने के लिए राजनिवास के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं।

एलजी ने सफाई कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा

'आप दिल्ली की रीढ़ हैं और आपके बिना स्वच्छ दिल्ली की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कोरोना महामारी और यमुना नदी की बाढ़ और जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान सफाई कर्मचारियों के कार्यों की सरहाना की।'

सक्सेना ने कहा कि एमसीडी कई क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है, लेकिन कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सफाई कर्मचारी सैनिकों की तरह होते हैं। सैनिक कभी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते। जिन क्षेत्रों पर पहले ध्यान नहीं दिया जा सका, वहां आज से ही विशेष अभियान शुरू किया जाना चाहिए, ताकि दिल्ली को कचरा मुक्त बनाया जा सके।

उन्होंने महापौर महेश कुमार को संबोधित करते हुए कहा- ₹बड़े फैसले लेते समय डरना गलत नहीं है, लेकिन डरकर फैसले न लेना गलत है। अगर आप सच्चे मन से फैसला लेंगे तो कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ बनाने में जितनी जिम्मेदारी हमारे कर्मचारियों की है उतनी ही जिम्मेदारी दिल्ली के ढाई करोड़ नागरिकों की भी है।

इस अवसर पर मौजूद महापौर ने कहा एमसीडी सफाई कर्मचारी दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए कड़ी मेहनत और लगन से काम करते हैं। कार्यक्रम में नेता सदन मुकेश गोयल, उप महापौर रविंद्र भारद्वाज और नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह मौजूद रहे।

गाजियाबाद में बकायेदारों से वसूली के लिए नया प्लान तैयार, 6 हजार लोगों से 240 करोड़ वसूलेंगे जीडीए सुपरवाइजर

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बकायेदारों से सख्ती से वसूली करने की योजना तैयार की है। योजना के तहत करीब छह हजार बकायेदारों से 240 करोड़ से अधिक की वसूली की जाएगी। बिल्डर पर 114 करोड़ रुपये और आवंटियों पर करीब 125 करोड़ का बकाया है। नोटिस के बाद भी बकाया जमा न कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र में करीब छह हजार बकायेदारों से 240 करोड़ से अधिक की सख्ती से वसूली की जाएगी। इसके लिए सूची तैयार कर बकायेदारों को नोटिस भेजने की तैयारी है। इनमें बिल्डर पर 114 करोड़ रुपये और आवंटियों पर करीब 125 करोड़ का बकाया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने बकायेदारों से वसूली के लिए नई योजना तैयार की है। अब नोटिस के बाद भी बकाया जमा न कराने वालों के दर पर संबंधित जोन के सुपरवाइजर वसूली के लिए पहुंचेंगे।

इसके बावजूद भी अगर बकाया जमा कराने में आनाकानी करता है तो उसका आवंटन निरस्त करने पर विचार होगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने संबंधित जोन प्रभारियों को निर्देशित करते हुए छोटे बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजने के निर्देश दिए हैं।

किस जोन में हैं कितने बकायेदार ?

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार सर्वाधिक बकायेदार डिफाल्टर नंदग्राम में हैं, जिनकी संख्या 3061 है। इसके अलावा तुलसी निकेतन में 1697, इंदिरापुरम में 1324 बकायेदार हैं। इसके अलावा वाल्मिकी कुंज, इंदिरा कुंज, उदय नगर, वैशाली, शास्त्रीनगर, चिकमपुर, संजयनगर, मधुबन बापूधाम, प्रताप विहार, स्वर्णजयंतीपुरम, तुलसी निकेतन, कौशांबी, इंद्रप्रस्थ के करीब छह हजार से अधिक डिफाल्टर है।

लंबित प्रकरणों और योजनाओं की बाधाओं को दूर करने

जीडीए सभागार में लंबित प्रकरण और योजनाओं को लेकर वीसी अतुल वत्स ने अधिकारियों और अनुभाग प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने आने वाली बाधाओं को दूर कर समय से कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजनगर एक्सटेंशन की हम तुम रोड और आउटर रिंग रोड के निर्माण में तेजी लाने को कहा। ताकि यातायात और कनेक्टिविटी में सुधार हो सके।

जमीन खरीद के रेट को लेकर हुई क्या बात ?

उन्होंने हम तुम रोड क्षेत्र में भूमि क्रय और भू-अधिग्रहण से संबंधित वादों का निस्तारण करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोगों की समस्याओं का निस्तारण हो सकेगा। आउटर रिंग रोड से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य में तेजी लोने के भी निर्देश दिए।

बैठक में जोन एक के जोनल प्लान में आपसी सहमति से भूमि खरीद के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया, जिसमें भूमि खरीद दर को लेकर चर्चा करते हुए समाधान करने पर जोर दिया।

इस दौरान उन्होंने जीडीए में मानचित्र स्वीकृति के दौरान किसी भी आपत्ति को प्राथमिकता के आधार पर उसके निस्तारण करने के निर्देश दिए। प्रक्रिया को सरल और डिजिटल माध्यमों से अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया। इस दौरान भू-अर्जन अनुभाग द्वारा नक्शों के स्वामित्व परीक्षण संबंधी कार्रवाई पर ड्राफ्ट को प्रदर्शित किया गया।

उन्होंने इंटीग्रेटेड टाउनशिप और हाइटेक टाउनशिप परियोजनाओं से संबंधित लंबित भू-अधिग्रहण प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए मामलों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए। ताकि परियोजना समय से पूर्ण हो सके।

गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की

मथुरा। गौभक्त शैलेन्द्र पहलवान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की है ।राष्ट्रीय गोरक्षक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र पहलवान ने कहा कि हमारी गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए। नहीं तो जेल भरो आंदोलन और नंगे पैर चलने की कसम खाई थी। एक माँ माह में 6 महीने दूध पिलाती है एक गौ माता हमारी जिंदगी भर भर दूध पिलाती है। योगी जी भी एक गौ रक्षक है। एक पुत्र अपनी मां का दर्द समझता है। गौरक्षक भाई अपनी जान पर खेल कर गौ माता की सेवा करते हैं। अपनी मां की सेवा तो बेटा करता है। इसके मूत्र से दवाइयां बनती हैं और इसके गोबर से औषधि और धूप बत्ती बनती है। प्राचीन काल में गौ माता की सेवा हमारे कृष्ण भगवान ने भी की थी।

पिछले दिनों राष्ट्रीय गौरक्षक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र पहलवान ने घोषणा करते हुए यहाँ तक कह दिया की यदि कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित नहीं किया जाता तो वे अपने प्राण भी त्याग सकते हैं ।

उन्होंने सरकार से निवेदन करते हुआ कहा है कि हमारी माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए । जिससे गो तस्करी और गौ हत्या पर पूरी तरह विराम लगे, बूचड़ खाना पर भी प्रतिबन्ध लगना चाहिए ।=

उन्होंने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आदित्यनाथ योगी को सम्बोधित करते हुए कहा की आप भी एक गौ रक्षक है, गौ माता को अपनी माता से बढ़कर मानते हैं, आपको हमारी मांगों पर गंभीरता से विचार करना होगा । शैलेंद्र पहलवान का कहना हैं कि एक मां कुछ समय तक दूध पिलाती है और गौ माता हमारी हमेशा हमें दूध पिलाती है । इसके लिए हमें प्राण त्याग ने पड़े तो हमारे लिए गर्व की बात है।

सड़क पर नहीं लगेंगे साप्ताहिक बाजार, यहां होगी व्यवस्था; चार्ज भी वसूला जाएगा

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में साप्ताहिक बाजारों को अब सड़कों पर नहीं लगाया जाएगा। नगर निगम ने यह फैसला लिया है कि ये बाजार अब साइड पटरियों पर व्यवस्थित किए जाएंगे। दुकानदारों का रजिस्ट्रेशन होगा और उन्हें आई कार्ड दिए जाएंगे। इसके अलावा यूजर चार्ज भी वसूला जाएगा। इस कदम से शहर में ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था की समस्या से निजात मिलेगी।

गाजियाबाद। नगर निगम में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक बाजारों (Ghaziabad Weekly Markets) को लेकर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में टाउन वेंडिंग समिति की बैठक हुई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि साप्ताहिक बाजार में दुकानें सड़क पर नहीं लगेंगी। साइड पटरी पर बाजार को व्यवस्थित रूप से लगाया जाएगा।

येलो रंग से दुकान लगाने की सीमा रेखा खींची जाएगी। योलो लाइन से आगे कोई भी दुकानदार दुकान नहीं लगा सकेगा। पहली बार साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों से यूजर चार्ज लेने का निर्णय लिया गया है। बाजार लगाने की समय सीमा भी तय होगी।

15 दिन के भीतर गठित होगी नई समिति

वर्ष 2017 में टाउन वेंडिंग समिति गठित की गई थी। इस समिति के सदस्य अपर जिलाधिकारी नगर गंभीर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जियाउद्दीन अहमद, एनसीआर सेल, अग्निशमन विभाग व नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया है कि टाउन वेंडिंग समिति को को बदला जाएगा। 15 दिन के भीतर के नई समिति गठित होगी।

दुकान लगाने के लिए खींची जाएगी येलो रंग की लाइन

नई समिति ही आगे के निर्णय लेगी। अन्य स्थान पर बाजार लगाने की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। जब तक बाजार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती है तब तक बाजार यथावत लगेंगे लेकिन बाजारों सड़क पर लगने की बजाय साइड पटरी पर व्यवस्थित तरीके से लगेंगे। जहां साइड पटरी नहीं है वहां बाजार नहीं लगेगा। दुकान लगाने के लिए येलो रंग की लाइन खींची जाएगी।

इस लाइन से आगे आकर कोई दुकान नहीं लगा सकेगा। शहर के पांचों जोन में निर्माण विभाग को येलो लाइन खींचने की जिम्मेदारी दी गई है। सीमा रेखा को लांघने पर कार्रवाई होगी। इसकी निगरानी पुलिस और सभी जोनल प्रभारी करेंगे। बाजार इस तरह लगेगा जिससे सड़क बाधित न हो। यातायात सुचारू रहेगा। इसकी जिम्मेदारी नगर निगम की टीम व पुलिस संभालेगी।

यूजर से वसूला जाएगा चार्ज

साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों से यूजर चार्ज नहीं (कूड़े का टैक्स) लिया जाता था। दुकानदार निजी सफाईकर्मी से सफाई कराते थे। सभी मिलकर निजी सफाईकर्मियों को पैसे देते थे। ऐसे में अब नगर निगम द्वारा दुकानदारों से यूजर चार्ज वसूला जाएगा।

यूजर चार्ज कितना लगेगा अभी यह तय नहीं किया गया है। सभी दुकानदारों का रजिस्ट्रेशन होगा। निगम की ओर से उन्हें आइडी दी जाएगी। यूजर चार्ज वसूलने के बाद साप्ताहिक बाजार के स्थान की साफ-सफाई की जिम्मेदारी निगम की होगी।

बाहर के दुकानदारों को लेकर नहीं हुआ निर्णय साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाने के लिए बड़ी संख्या में दिल्ली से भी लोग आते हैं। मांग उठ रही थी कि बाहरी लोगों पर रोक लगाई जानी चाहिए। बैठक में इस मुद्दे पर भी चर्चा हुई लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका।

निर्णय करेगी नई वेंडिंग टाउन समिति

बाहरी लोगों को दुकान लगाने की अनुमति देनी है या नहीं इस पर निर्णय नई वेंडिंग टाउन समिति करेगी। बाजार के व्यापारियों द्वारा एक दिवस का बंद सप्ताह में लिया जाता है। इसका निर्णय भी जिलाधिकारी द्वारा साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित करने के संबंध में लिया जाएगा।

साप्ताहिक बाजार से क्या है फायदा

इस साप्ताहिक बाजार से लोगों को रोजगार मिल रहा है।

घर के पास ही सामान मिल जाता है।

स्थायी दुकानों की अपेक्षा सस्ता सामान मिलता है।

एक ही स्थान सब्जी, फल, कपड़े आदि रोजमर्रा का सामान मिल जाता है।

साप्ताहिक बाजार से क्या है नुकसान

साप्ताहिक बाजार से जाम लगता है।

कई बार एंबुलेंस फंस जाती है।

स्कूल की बस नहीं आ पाती।

वाहन लेकर नहीं निकल पाते।

बांस-बल्ली लगाने से सड़क क्षतिग्रस्त होती।

गंदगी फैलती है।

प्रतिबंधित पॉलीथिन अधिक प्रयोग होता है।

अगले तीन दिनों तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन; घर से निकलने से पहले जानें रूट

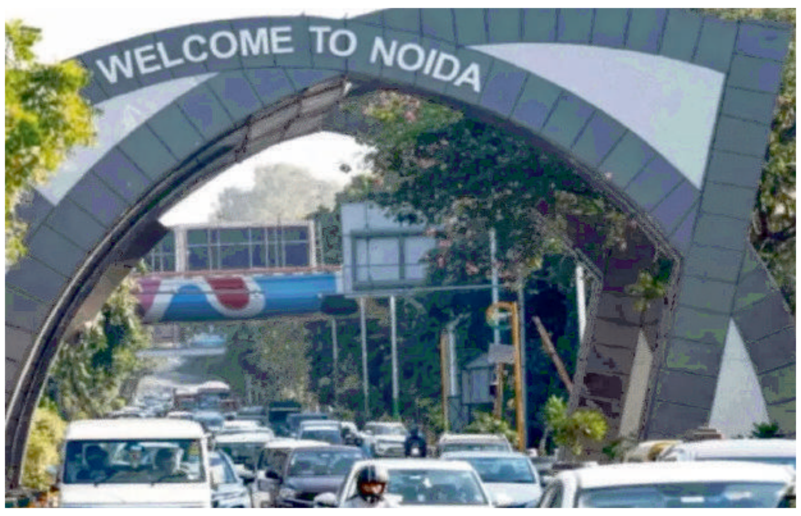

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर दलित प्रेरणा स्थल के पास पेयजल पाइपलाइन की मरम्मत के चलते 14 से 17 फरवरी तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। इस दौरान यातायात को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। डीसीपी यातायात लखन सिंह यादव ने लोगों से रूट डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। किसी भी तरह की परेशानी होने पर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं।

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर दलित प्रेरणा स्थल के पास पेयजल पाइपलाइन की मरम्मत कार्य के चलते ट्रैफिक डायर्वजन रहेगा। डीसीपी यातायात लखन सिंह यादव ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण की एक्सप्रेसवे पर करीब सात मीटर की चौड़ा और 30 मीटर लंबा हिस्से पर काम चलेगा। 14 फरवरी की रात 11 बजे से 17 फरवरी की सुबह चार बजे तक मरम्मत कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

इस अवधि में यातायात को वैकल्पिक मार्गों से होकर निकाला जाएगा। उन्होंने लोगों से रूट डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। किसी भी तरह की परेशानी होने पर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 14 से 17 फरवरी तक यह डायवर्जन रूट जारी रहेगा।

ऐसा रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

परी चौक से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होकर डीएनडी, चिल्ला, सेक्टर 18 की ओर जाने वाला यातायात महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर 37 बोटनिकल गार्डन होकर आगे भेजा जाएगा।

कालिंदी कुंज की ओर से डीएनडी, चिल्ला, सेक्टर 18 की ओर जाने वाला यातायात महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर 37 बोटनिकल गार्डन होकर आगे भेजा जाएगा।

परी चौक की ओर से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होकर सरिता विहार की ओर जाने वाला यातायात चरखा गोल चक्कर से कालिंदी होकर आगे भेजा जाएगा।

आपातकालीन वाहनों को डायवर्जन के दौरान सकुशल पास कराया जाएगा।

दोस्ती इम्तिहान लेती है-मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट

तुलसी...मस्क..रामास्वामी के बाद, मोदी की ट्रंप से ऐतिहासिक मुलाकात

भारत अमेरिका के पौराणिक संबंधों और वर्तमान नेतृत्व की दोस्ती के दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलेंगे

–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हर देश की नज़रें 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शपथ ग्रहण करने से लेकर उनके द्वारा करीब रोज़ लिए जा रहे निर्णयों पर लगी हुईहै,जिससे पूरी दुनियाँ अपने नफे नुकसानों के आकलन पर मंथन करने लग गई है, परंतु अब पूरी दुनियाँ की निगाहें भारतीय समय अनुसार गुरुवार अर्ली मॉर्निंग 2.30 बजे भारतीय पीएम अमेरिकीराष्ट्रपति के मुलाकात पर लगी रही जिसमें सभी की नजरे टैरिफ, अवैध आवर्ज़न अवैध प्रवासी भारतीयों की वापसी, चीन मुद्दा,रक्षा, नई टेक्नोलॉजी सहित अनेक मुद्दों पर बनी हुई थी, हालांकि भारत ने अमेरिकी दौरे से पूर्व ही अपने मैक्सिमम अमेरिकी टैरिफ को 150 पेर्सेंट से घटकर 70 पेर्सेंट कर दिए ताकि बातचीत की सकारात्मकता की गुंजाइश को बल मिले भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों मेंशामिल रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में साल1990-91तक औसतटैरिफ 125 पेर्सेंट तक था। उदारीकरण के बाद यह कम होता चला गया ।2024 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट 11.66 पेर्सेंट था। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सरकार ने टैरिफ रेट में बदलाव किया ।द हिन्दू की रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार ने टैरिफ के 150 पर्सेंट, 125 पर्सेंट और 100 पर्सेंट वाली दरों को खत्म कर दिया है। अब भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ रेट 70 पर्सेंट है। भारत में लग्जरी कार पर 125 पर्सेंट टैरिफ था, अब यह 70 पर्सेंट कर दिया गया है। ऐसे में साल 2025 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट घटकर 10.65 पर्सेंट हो चुका है। आमतौर पर सभी देश टैरिफ लगाते हैं। किसी देश में इसका रेट कम और किसी में ज्यादा हो सकता है। हालांकि, बाकी देशों से तुलना की जाए तो भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है ।संभवत लाखों लोगों के साथ मैं खुद भी शुक्रवार अर्ली मॉर्निंग 2:30 बजे से 6 बजे तक संचार माध्यमों टीवी चैनलों से जुड़ा रहा इन दोनों महाशक्तियों के बीच हुई मुलाकात को लगातार देखता फिर सुबह 6 के दोनों की संयुक्त प्रेस वार्ता के बाद यह आर्टिकल तैयार किया हूं। इसके पूर्व हम देखें कि पीएम अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी पहुंचे, जहां उनका ज़बरदस्त स्वागत हुआ, इसके बाद पीएम की पहली आधिकारिक मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड से हुई, जो खुद को भगवान श्री कृष्ण की भक्त कहती हैं। फ़रि पीएम ने गुरुवार रात करीब 9 बजे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। इस बैठक में भारतीय विदेश मंत्री और एनएसए भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम इलॉन मस्क से मिले। मस्क अपने परिवार के साथ ब्लेयर हाउस पहुंचे थे। मस्क ने पीएम को तोहफे में मेमेंटो (स्मृतिचिह्न) दिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। मस्क से मुलाकात के बाद पीएम ने भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी से करीब आधा घंटा मुलाकात की ।मुलाकात के बाद रामास्वामी ने कहा कि पीएम का स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात थी ।चूँकि विश्व की नज़रे भारत अमेरिका प्रमुखों की देर रात्रि हुई मुलाकात पर लगी हुई थी, अवैध अप्रवासी मुद्दा व्यापार तकनीकी बात टैरिफ साहित अनेक एमओयू जिसके दूरगामी परिणाम निकलने की पूरी संभावना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दोस्ती इम्तिहान लेती है, मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट।

साथियों बात अगर हम गुरुवार सुबह 6 बजे दोनों वैश्विक नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की करें तो इस दौरान जब पूछा गया कि ट्रंप और मोदी में कौन टफ नेगोशिएटर (वार्ताकार) है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कह दिया कि इस मामले में भारतीय प्रधानमंत्री बहुत आगे हैं। ट्रंप ने कहा, वह (पीएम मोदी) मुझसे कहीं ज्यादा टफ नेगोशिएयर हैं और मुझसे कहीं बेहतर वार्ताकार भी हैं। इसमें कोई मुकाबला ही नहीं है ।पीएम मोदी ने कहा, जो लोग दूसरे देशों में अवैध रूप से रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। जहां तक भारत और अमेरिका का सवाल है, हमने हमेशा कहा है कि जो लोग सत्यापित हैं और वास्तव में भारत के नागरिक हैं - अगर वे अवैध रूप से अमेरिका में रहते हैं, तो भारत उन्हें वापस लेने के लिए तैयार है। लेकिन यह हमारे लिए यहीं तक सीमित नहीं है। ये सामान्य परिवारों के लोग हैं। उन्हें बड़े सपने दिखाए जाते हैं और उनमें से अधिकांश ऐसे होते हैं जिन्हें गुमराह करके यहां लाया जाता है। इसलिए, हमें मानव तस्करी की इस पूरी व्यवस्था पर हमला करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और भारत को मिलकर इस तरह के पारिस्थितिकी तंत्र को जड़ से खत्म करने का प्रयास करना चाहिए ताकि मानव तस्करी खत्म हो जाए। हमारी बड़ी लड़ाई उसपूरे पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ है और हमें विश्वास है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने में भारत का पूरा सहयोग करेंगे ।वाइट हाउस में पीएम ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका एक साथ खड़े रहेंगे। हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद के उन्मूलन के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। मैं राष्ट्रपति का आभारी हूं कि उन्होंने 2008 में भारत में नरसंहार करने वाले अपराधी तहव्वुर राणा को अब भारत के हवाले करने का निर्णय किया है। भारत की अदालतें उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगी ।अमेरिकी राष्ट्रपति से जब पूछा गया, अगर आप भारत के साथ व्यापार पर सख्त रुख अपनाएंगे तो चीन से कैसे लड़ेंगे तो उन्होंने कहा, हम किसी को भी हराने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन हम किसी को हराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, हम वाकई अच्छा काम करना चाहते हैं। हमने अमेरिकी लोगों के लिए शानदार काम किया है। हमारे चार साल बहुत अच्छे रहे और हमें एक भयानक प्रशासन ने बाधित किया, अब, हम इसे फिर से एक साथ ला रहे हैं। मुझे लगता है कि यह पहले की तुलना में बहुत मजबूत होने जा रहा है या पहले की तुलना में और भी ज्यादा मजबूत होने जा रहा है। बांग्लादेश मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, इसमें डीप स्टेट की कोई भी भूमिका नहीं है, यह कुछ ऐसा है जिस पर पीएम मोदी लंबे समय से काम कर रहे हैं, मैं बांग्लादेश को पीएम पर छोड़ देता हूं। आगे कहा हम व्यापार के बारे में बात करने जा रहे हैं, हम कई चीजों के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन आपसे मिलना वास्तव में सम्मान की बात है, आप लंबे समय से मेरे मित्र हैं ।शानदार काम करने के लिए बधाई ।पीएम और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे, जो यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका भारत को तेल और प्राकृतिक गैस का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बने, उम्मीद है कि नंबर 1आपूर्तिकर्ता बने। अमेरिकी परमाणु उद्योग के लिए अभूतपूर्व विकास में, भारत अमेरिकी परमाणु प्रौद्योगिकी का स्वागत करने के लिए कानूनों में सुधार भी कर रहा है, जो भारतीय बाजार में उच्चतम स्तर पर है।

साथियों बात अगर हम दोनों नेताओं की मुलाकात के कुछ घंटे पहले ट्रंप के एक पोस्ट या ट्वीट की करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय पीएम से मुलाकात से कुछ घंटे पहले सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट किया, जिसने अटकलों को तेज कर दिया। उन्होंने लिखा, तीन महान हफ्ते, शायद अब तक के सबसे अच्छे, लेकिन आज सबसे बड़ा दिन है:पारस्परिक टैरिफ अमेरिका को फिर से महान बनाएं (पारस्परिक टैरिफ) नीति के तहत अमेरिका उन देशों पर उतना ही टैरिफ लगाएगा जितना वे अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाते हैं, इससे वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल मच सकती है और भारत समेत कई बड़े व्यापारिक साझेदार प्रभावित हो सकते हैं। ट्रंप ने पहले ही कहा था पारस्परिक होने का समय आ गया है। अगर वे हमसे शुल्क लेते हैं, तो हम उनसे शुल्क लेंगे, उनका यह बयान संकेत देता है कि अमेरिका जल्द ही उन देशों की सूची जारी करेगा जिन पर यह टैरिफ लागू होगा। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत की टैरिफ नीतियां अमेरिकी व्यापार के लिए बाधा हैं, ट्रंप ने भारत को कई बार टैरिफ किंग कहा है, क्योंकि वे मानते हैं कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर अधिक टैक्स लगाता है। यदि अमेरिका भारत पर नया टैरिफ लगाता है, तो यह भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है। ट्रंप पहले ही कई देशों पर टैरिफ लगा चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही मैक्सिको और कनाडा से आयातित उत्पादों पर 25 पेर्सेंट टैरिफ और चीनसे आयातित उत्पादों पर 10 पेर्सेंट टैरिफ लगाया था, हालांकि, मैक्सिको और कनाडा के साथ 1 मार्च तक टैरिफ रोकने का निर्णय लिया गया, क्योंकि दोनों देशों ने अवैध आव्रजन और मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ा रुख अपनाने का आश्वासन दिया था। भारतीय पीएम राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले चौथे विदेशी नेता हैं।

अतः अगर हम अपरूप पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दोस्ती इम्तिहान लेती है - मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट तुलसी... मस्क..रामास्वामी के बाद, मोदी की ट्रंप से ऐतिहासिक मुलाकात।भारत अमेरिका के पौराणिक संबंधों और वर्तमान नेतृत्व की दोस्ती के दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलेंगे।

मारुति डिजायरकी नई जेनरेशन को खरीदना हुआ महंगा, जान लें कितनी बढ़ी कीमत, किस वेरिएंट में हुई सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति डिजायर की कीमत में बढ़ोतरीभारत की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से Compact Sedan Car सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Maruti Dzire की नई जेनरेशन की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। गाड़ी को कितना महंगा किया गया है। किस वेरिएंट को अब किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी की बिक्री करने वाली Maruti Suzuki की ओर से Compact Sedan Car सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Maruti Dzire की कीमतों को बढ़ा दिया है। नई जेनरेशन डिजायर की कीमत में कितनी बढ़ोतरी हुई है। किस वेरिएंट की कीमत को कितना बढ़ाया गया है। अब इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

महंगी हुई Maruti Dzire

मारुति की ओर से ऑफर की जाने वाली नई जेनरेशन डिजायर को खरीदना महंगा हो गया है। कंपनी ने इसकी कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ोतरी फरवरी 2025 में की गई है और इसे आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपडेट किया गया है।

पहले ही दी गई थी जानकारी

मारुति सुजुकी ओर से साल 2024 के आखिर में ही कीमतों को बढ़ाने की जानकारी दे दी गई थी। कंपनी ने बताया था कि वह नए साल में अपने पोर्टफोलियो की कारों की कीमतों में बढ़ोतर करेगी। लेकिन यह बढ़ोतरी अलग अलग गाड़ी पर अलग अलग होगी। जिसके बाद अब फरवरी में कीमतों को बढ़ाया गया है।

कितनी बढ़ी कीमत

जानकारी के मुताबिक मारुति की ओर से अपनी डिजायर गाड़ी की कीमत में पांच हजार रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी की ओर से अलग अलग वेरिएंट की कीमतों को एक समान बढ़ाने की जगह अलग अलग बढ़ाया है।

किस वेरिएंट में कितनी बढ़ोतरी

गाड़ी के बेस वेरिएंट LXI, VXI MT, VXI CNG, ZXI CNG, ZXI+ की कीमतों में पांच हजार रुपये बढ़ाए गए हैं। वहीं VXI AMT, ZXI AMT की कीमतों में 10 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। ZXI+ की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

कितनी हुई कीमत

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद LXI की एक्स शोरूम कीमत 6.84 लाख रुपये हो गई है। वहीं इसके VXI वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 7.84 लाख रुपये, VXI AGS की कीमत 8.34 लाख रुपये, VXI CNG की कीमत 8.79 लाख रुपये, ZXI की कीमता 8.94 लाख रुपये, ZXI AGS की कीमत 9.44 लाख रुपये, ZXI+ की कीमत 9.69 लाख रुपये, ZXI CNG की कीमत 9.89 लाख रुपये और ZXI+ AGS की कीमत 10.19 लाख रुपये हो गई है।

किनसे है मुकाबला

मारुति की ओर से डिजायर को कॉम्पैक्ट सेडान कार सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में डिजायर का सीधा मुकाबला Tata Tigor, Hyundai Aura, Honda Amaze जैसी कारों के साथ होता है।

आज से शुरू हुई महिंद्रा बीई6 और XEV9e के लिए बुकिंग, मार्च से होगी डिलीवरी

परिवहन विशेष न्यूज

महिंद्रा BE6 और XEV9e बुकिंग भारतीय बाजार में Mahindra की ओर से कई सेगमेंट में बेहतरीन फीचर्स के साथ कई एसयूवी को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से कुछ समय पहले लॉन्च की गईं नई जेनरेशन Electric SUVs Mahindra BE6 और Mahindra XEV 9e के लिए आज से बुकिंग शुरू हो गई है। कितना एडवांस देकर इनको बुक करवाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख एसयूवी निर्माता Mahindra की ओर से ICE सेगमेंट के साथ ही Electric सेगमेंट में कई SUVs को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से आज से दो नई एसयूवी के लिए बुकिंग को शुरू कर दिया है। इनमें Mahindra BE6 और XEV 9e शामिल हैं। कितने रुपये में इन दोनों को बुक (Mahindra BE6 booking) करवाया जा सकता है। कब से इनकी डिलीवरी को शुरू किया जाएगा। कितने रुपये की कीमत पर इनको ऑफर किया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra BE6 और XEV 9e के लिए शुरू हुई बुकिंग

महिंद्रा की ओर से कुछ समय पहले लॉन्च की गईं नई जेनरेशन एसयूवी Mahindra BE6 और Mahindra XEV 9e के लिए आज से बुकिंग को शुरू कर दिया गया है। दोनों electric SUVs के लिए ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन मोड में डीलरशिप के जरिए बुकिंग करवाई जा सकती है।

कितने रुपये में होगी बुकिंग

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक बुकिंग को 14 फरवरी 2025 की सुबह आठ बजे से शुरू कर दिया गया है।

कब से शुरू होगी डिलीवरी

महिंद्रा की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक मार्च 2025 से टॉप वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए गए Pack Three की डिलीवरी को शुरू (BE6 and XEV9e delivery)किया जाएगा। Pack Two और Pack Three Select की डिलीवरी को जून और जुलाई 2025 में शुरू किया जाएगा। इसके बाद Pack Two की डिलीवरी को शुरू किया जाएगा। Mahindra BE 6 और XEV 9e के बेस वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए गए Pack One और Pack One Above की डिलीवरी को सबसे आखिरी में August 2025 से शुरू किया जाएगा।

कितनी है कीमत

Mahindra की ओर से BE6 को पांच वेरिएंट्स में लाया गया है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 18.90 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट को 26.90 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लाया जा रहा है।

वहीं Mahindra XEV 9e की एक्स शोरूम कीमत 21.90 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट को 30.50 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जा रहा है। इसे चार वेरिएंट्स में ऑफर किया जा रहा है।

किनसे है मुकाबला

महिंद्रा की BE6 और XEV 9e को इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में इनका मुकाबला Tata Curvv EV, MG Windsor EV, Hyundai Creta EV, MG ZS EV, BYD Atto3 के साथ ही जल्द लॉन्च होने वाली Maruti E Vitara, Tata Harrier EV जैसी एसयूवी के साथ होगा।

होंडा ने सीबी 200X को एनएक्स200 एडीवी बाइक नाम से किया लॉन्च, कीमत 1.68 लाख रुपये से शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

2025 होंडा एनएक्स 200 बाइक लॉन्च जापानी दो पहिया निर्माता होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से फरवरी महीने में 200 सीसी की बाइक Honda NX 200 को लॉन्च किया गया है। क्या इसे CB200X का नाम बदलकर लाया गया है? आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापान की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता Honda Motorcycle And Scooter India (HMSI) की ओर से भारतीय बाजार में कई बाइक्स और स्कूटर को लाया जाता है। कंपनी ने हाल में ही 2025 Honda NX 200 ADV बाइक को लॉन्च किया है। इसमें किस तरह के फीचर्स, इंजन को दिया जा रहा है। कितनी कीमत पर बाइक को लॉन्च (Honda NX 200 ADV Bike Launched) किया गया है। क्या इसे Honda CB200X का नाम बदलकर लाया गया है। आपको इस खबर में बता रहे हैं।

2025 Honda NX 200 ADV बाइक हुई लॉन्च

होंडा की ओर से भारत में 200 सीसी सेगमेंट में नई बाइक के तौर पर 2025 Honda NX 200 ADV बाइक को लॉन्च कर दिया है। कंपनी की ओर से इस बाइक को पहले भी Honda CB200X नाम से बाजार में ऑफर किया जाता था, लेकिन अब इसे मामूली अपडेट्स के साथ नाम बदलकर लाया गया है।

2025 Honda NX 200 ADV Bike Features

होंडा की ओर से इस बाइक में कुछ अपडेट किए गए हैं। इसमें एलईडी हेडलैंप, एलईडी विंकर्स, एलईडी टेल लैंप के साथ ही मस्क्यूलर फ्यूल टैंक, 4.2 इंच फुल डिजिटल टीएफटी डिस्प्ले, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, Honda रोड सिंक, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसे कई फीचर्स को दिया गया है।

2025 Honda NX 200 ADV Bike Safety

बाइक में सुरक्षा का भी काफी ध्यान रखा गया है। इसमें होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल (HSTC) को दिया गया है जिससे रोड की स्थिति के मुताबिक रियर व्हील ट्रैक्शन को सेट किया जा सकता है। बाइक में असिस्ट और स्लिपर क्लच, ड्यूल चैनल एबीएस जैसे सेफ्टी फीचर्स को भी दिया जा रहा है।

2025 Honda NX 200 ADV Bike Engine

होंडा की ओर से इस बाइक में 184.4 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है। जिसको पीजीएम-एफआई तकनीक के साथ लाया गया है। इस इंजन से बाइक को 12.5 किलोवाट की पावर और15.7 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक में 5स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है।

2025 Honda NX 200 ADV Bike Price

कंपनी की ओर से इस बाइक को तीन रंगों के विकल्प के साथ लाया गया है। इसमें Athletic Blue Metallic, Radiant Red Metallic, and Pearl Igneous Black रंग दिए गए हैं। बाइक को सिंगल वेरिएंट में ही लाया गया है और इसकी एक्स शोरूम कीमत 169499 रुपये रखी गई है।

किनसे है मुकाबला

होंडा की नई बाइक को 200 सीसी सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला, बजाज, केटीएम, हीरो मोटोकॉर्प, टीवीएस जैसी कंपनियों की बाइक्स के साथ होगा।

हुंडई वरना के मिड वेरिएंट एस को है घर लाना, तीन लाख रुपये की अग्रिम भुगतान के बाद कितनी देनी होगी ईएमआई

परिवहन विशेष न्यूज

कार वित्त योजना भारतीय बाजार में Hyundai Cars की ओर से Mid Size Sedan Car के तौर पर Hyundai Verna को ऑफर किया जाता है। अगर आप भी इस गाड़ी के मिड वेरिएंट S को खरीदने का मन बना रहे हैं तो इसके लिए तीन लाख रुपये की Down Payment देने के बाद कितने रुपये महीने की EMI देनी (Hyundai Verna S Down Payment and EMI) होगी। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट में कई वाहनों को Hyundai की ओर से ऑफर किया जाता है। अगर आप भी कंपनी की Mid Size Sedan Car के तौर पर ऑफर की जाने वाली Hyundai Verna के मिड वेरिएंट S को खरीदने का मन बना रहे हैं और तीन लाख रुपये की डाउनपेमेंट करने के बाद गाड़ी को घर लाना चाहते हैं, तो हर महीने कितने रुपये की EMI देनी (Hyundai Verna S Down Payment and EMI) होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Hyundai Verna S Variant Price

Hyundai की ओर से Verna के मिड वेरिएंट के तौर पर S को ऑफर किया जाता है। इस गाड़ी के बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम (Hyundai Verna S Price) कीमत 12.12 लाख रुपये है। इस गाड़ी को अगर दिल्ली में खरीदा जाता है तो करीब 1.28 लाख रुपये आरटीओ और करीब 51 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे। इसके अलावा टीसीएस चार्ज के तौर पर 12124 रुपये देने होंगे। जिसके बाद Hyundai Verna S on road price करीब 14.04 लाख रुपये के आस-पास हो जाती है।

तीन लाख Down Payment के बाद कितनी EMI

अगर आप इस गाड़ी के मिड वेरिएंट S को खरीदते हैं, तो बैंक की ओर से एक्स शोरूम कीमत पर ही फाइनेंस किया जाएगा। ऐसे में तीन लाख रुपये की डाउन पमेंट करने के बाद आपको करीब 11.04 लाख रुपये को बैंक से फाइनेंस करवाना होगा। बैंक की ओर से अगर आपको 9 फीसदी ब्याज के साथ सात साल के लिए 11.04 लाख रुपये दिए जाते हैं, तो हर महीने 17773 रुपये हर महीने की EMI आपको अगले सात साल के लिए देनी होगी।

कितनी महंगी पड़ेगी कार

अगर आप 9 फीसदी की ब्याज दर के साथ सात साल के लिए 11.04 लाख रुपये का बैंक से Car Loan लेते हैं, तो आपको सात साल तक 17773 रुपये की EMI हर महीने देनी होगी। ऐसे में सात साल में आप Hyundai Verna S के लिए करीब 3.88 लाख रुपये बतौर ब्याज देंगे। जिसके बाद आपकी कार की कुल कीमत एक्स शोरूम, ऑन रोड और ब्याज मिलाकर करीब 17.92 लाख रुपये हो जाएगी।

किनसे होता है मुकाबला

Hyundai की ओर से Verna को कंपनी Mid Size Sedan Car के तौर पर ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी का बाजार में सीधा मुकाबला Skoda Slavia, Volkswagen Virtus, Honda City और Maruti Ciaz के साथ होता है।

एक हजार किलोमीटर चलाने के बाद कितनी प्रेक्टिकल कार है स्विफ्ट, सब फोर मीटर एसयूवी से अच्छी है या नहीं, पढ़ें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति स्विफ्ट समीक्षा भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में स्विफ्ट को लाया जाता है। जिस कीमत पर इसे ऑफर किया जा रहा है उसमें कई सब फोर मीटर एसयूवी को भी खरीदा जा सकता है। ऐसे में इसे खरीदना कितना फायदेमंद हो सकता है। एक हजार किलोमीटर चलाने के बाद हम आपके साथ इसका लॉन्ग टर्म रिव्यू शेयर कर रहे हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई निर्माताओं की ओर से कम कीमत में ज्यादा फीचर्स और बेहतरीन लुक्स के साथ कई सब फोर मीटर SUVs को ऑफर किया जाता है। 6.49 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में Maruti Swift को लाया जाता है। एसयूवी के जमाने में Maruti Swift की नई जेनरेशन को खरीदना आपके लिए कितना फायदेमंद साबित (Maruti Swift long-term ownership review) हो सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

एक हजार किलोमीटर चलाने के बाद कैसी लगी स्विफ्ट

मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में ऐसी कार को बाजार में लाया जाता है जिसके लॉन्च के बाद से ही काफी पसंद किया जाता है। गाड़ी का डिजाइन हो या फीचर। कई मोर्चों पर मारुति की यह छोटी गाड़ी कई SUVs को भी कड़ी चुनौती देती है। मारुति की इस हैचबैक को हमने भी कई मोर्चों पर परखने की कोशिश की। करीब दो से तीन हफ्ते के लिए हमने इसे शहर और हाइवे दोनों ही तरह की सड़कों पर करीब एक हजार किलोमीटर (Maruti Swift 1000 km review) तक चलाया।

Maruti Swift Exterior and features

Maruti Swift की नई जेनरेशन में पुरानी के मुकाबले कई बदलाव किए गए हैं। इसके फ्रंट ग्रिल से लेकर पिछले दरवाजों पर हैंडल की पोजिशन को बदला गया है। जिसे आसानी से नोटिस किया जा सकता है। इसके अलावा स्विफ्ट के मूल डिजाइन को बरकरार रखने की कोशिश मारुति की ओर से की गई है। गाड़ी में ड्यूल टोन पेंट स्कीम के साथ ही एलईडी डीआरएल, एलईडी लाइट्स और फॉग लैंप को दिया गया है, जो रात के समय काफी अच्छी रोशनी देती हैं। साथ ही ऑटो लाइट के फीचर के कारण आपको अंधेरा होते ही अच्छी रोशनी मिल जाती है। हाई माउंट स्टॉप लैंप और शार्क फिन एंटीना होने से रियर से भी यह काफी बेहतर लगती है।

Maruti Swift interior and features

मारुति की ओर से स्विफ्ट को ऑल ब्लैक इंटीरियर के साथ ऑफर किया है। ऐसे में यह जल्दी से गंदी भी नजर नहीं आती। सीटों में फैब्रिक का उपयोग किया गया है। साथ ही सीटों को इतना आरामदायक रखा गया है, जिससे लंबे सफर में ज्यादा थकान महसूस नहीं होती। फीचर्स के तौर पर इसमें पुश बटन स्टार्ट, स्टेयरिंग कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जर, चार्जिंग पोर्ट, एबीएस, ईबीडी, स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग जैसे फीचर्स को दिया गया है। हालांकि इसके टॉप वेरिएंट में ऑडियो क्वालिटी को थोड़ा बेहतर किया जा सकता था। साथ ही इसके फ्रंट में वेंटिलेटिड सीट्स को भी दिया जाता तो और ज्यादा बेहतर विकल्प बन सकता है। गाड़ी में सनरूफ को ऑफर करने से भी इसकी वेल्यू को बढ़ाया जा सकता था।

कैसा है इंजन (Maruti Swift Engine Performance)

मारुति की ओर से नई जेनरेशन स्विफ्ट में जो सबसे बड़ा बदलाव किया गया है, उनमें गाड़ी का इंजन भी शामिल मारुति ने नई स्विफ्ट में नया जेड सीरीज इंजन दिया है। यह इंजन भले ही तीन सिलेंडर के साथ आता है लेकिन

शहरी ट्रैफिक में इसे चलाने में किसी भी तरह की पावर की कमी महसूस नहीं होती। लेकिन हाइवे पर कई बार ओवरटेक करने में थोड़ी मेहनत (Maruti Swift performance review) लगती है। लेकिन माइलेज के मामले में यह आपकी जेब पर भारी नहीं पड़ती। हमने इसे शहर के बंपर टू बंपर ट्रैफिक के साथ ही हाइवे पर भी करीब एक हजार किलोमीटर तक चलाया और हमें इस दौरान 19 से 21 किलोमीटर की मिक्स माइलेज (Maruti Swift fuel efficiency review) मिली, जो काफी बेहतरीन आंकड़ा है। यहां पर आपको एक टिप और देना चाहेंगे, अगर आप गाड़ी के टायर में सही एयर प्रेशर को बनाए रखते हैं और लाइट फुट के साथ गाड़ी चलाते हैं तो फिर इससे भी ज्यादा माइलेज यह गाड़ी आपको दे सकती है। पुरानी जेनरेशन के मुकाबले कम पावर वाले इंजन को चलाने पर भी केबिन में आवाज नहीं आती।

कैसी है हैंडलिंग

मारुति की ओर से स्विफ्ट को अगर ऐसी कार कहा जाए जिसे आप जितनी आसानी से ट्रैफिक में चला सकते हैं, उतना ही मजा इसे हाइवे पर चलाने में भी आता है। स्टेयरिंग इतना हल्का लगता है जिससे ट्रैफिक में या तंग सड़कों पर चलाने में परेशानी नहीं होती। वहीं तेज स्पीड में भी इसे कंट्रोल में रखना काफी आसान लगता है। स्विफ्ट में क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर को दिया गया है, जिससे हाइवे पर एक ही स्पीड में चलाना काफी आसान रहता है, लेकिन अगर आप क्रूज कंट्रोल की स्पीड को कम करते हैं तो तेजी से कम करने में थोड़ी परेशानी लगती है। जिसे सुधारा जा सकता है।

समीक्षा (Maruti Swift pros and cons)

अगर आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में आपको पार्किंग की समस्या से परेशान होना पड़ता है। बंपर टू बंपर ट्रैफिक में आप सबसे ज्यादा गाड़ी चलाते हैं और सपाट सड़कों पर आपको गाड़ी चलानी है तो आपके लिए Maruti Swift एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। लेकिन अगर आपको खराब सड़कों पर चलाने के लिए ऐसी गाड़ी चाहिए जिसमें ज्यादा ग्राउंड क्लियरेंस मिले, ज्यादा ताकतवर या टर्बो इंजन के साथ गाड़ी चाहिए, सनरूफ जैसे फीचर्स के साथ आने वाली गाड़ी की तलाश है तो फिर आप बाजार में मौजूद अन्य विकल्पों पर विचार कर सकते हैं।

उपग्रह प्रक्षेपण से बढ़ता प्रदूषण

विजय गर्ग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरिक्ष अन्वेषण एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इसने मानव जाति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। राकेट प्रक्षेपण के माध्यम से उपग्रह और अन्य उपकरणों को अंतरिक्ष में भेजना आज के युग की आवश्यकता बन गई है। चाहे यह संचार के लिए हो, मौसम का अध्ययन हो ग्रहों पर जीवन की खोज हो। राकेट प्रक्षेपण ने मानवता को नई संभावनाओं से परिचित कराया है। हालांकि इसके साथ ही यह प्रक्रिया पर्यावरण के लिए गंभीर समस्याएं भी पैदा करती है। प्रक्षेपण के दौरान वायुमंडलीय प्रदूषण, ओजोन परत का क्षरण, ध्वनि प्रदूषण, जल और मिट्टी का प्रदूषण और अंतरिक्ष में मलबा जैसी समस्याएं अब सामने आ रही हैं। इनको समझना और उनका समाधान निकालना आवश्यक है, ताकि तकनीकी प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

राकेट को अंतरिक्ष में भेजने के लिए बहुत शक्तिशाली ईंधन का उपयोग किया जाता है। यह ईंधन जलता है, तो बड़ी मात्रा में गैसें और कण उत्सर्जित होते हैं। इनमें कार्बन डाइआक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें शामिल होती हैं। ठोस ईंधन के जलने पर कार्बन और नाइट्रोजन आक्साइड उत्सर्जित होते हैं, जो प्रदूषण का कारण बनते हैं। तरल हाइड्रोजन और आक्सीजन उपयोग करने वाले राकेट कम प्रदूषण करते हैं, लेकिन ये अभी पूरी तरह साफ नहीं हैं। ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों (यूवी) को अवशोषित करती है, जो मानव, जीव-जंतुओं और पौधों के और पौधों के लिए घातक होती हैं। इसे पृथ्वी के सुरक्षा कवच के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यह है, हमारे ग्रह ग्रह को प्राकृतिक आपदाओं और जैविक क्षति से बचाती है। राकेट प्रक्षेपण के दौरान ठोस 'प्रोपेलेंट्स' में उपयोग किए जाने वाले क्लोरिन- आधारित यौगिक ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत को क्षति पहुंचाते हैं। क्लोरीन अणु ओजोन अणुओं को तोड़ कर पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक पहुंचने देते हैं, जो स्वास्थ्य और । और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है। राकेट प्रक्षेपण के दौरान नाइट्रोजन आक्साइड गैसें पैदा होती हैं, जो ओजोन के साथ प्रतिक्रिया कर उसे नष्ट करती हैं। ये गैसें कई वर्षों तक वर्षा तक वायुमंडल में बनी रह सकती हैं। प्रक्षेपण के दौरान निकली गैसें सीधे ऊपरी वायुमंडल प्रवेश करती हैं, जहां ओजोन परत को खुद को पुनर्निर्मित करने का समय नहीं मिलता। बार-बार प्रक्षेपण से यह समस्या और बढ़ जाती है। ठोस और तरल ईंधनों के जलने से कालिख और ब्लैक कार्बन कण पैदा होते हैं, जो ओजोन परत के परत के नवीकरण को रोकते हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि के कारण राकेट प्रक्षेपण की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह ओजोन परत के लिए दीर्घकालिक खतरा है, 1 है, क्योंकि प्रदूषण का संचय बढ़ता जा रहा है।

राकेट प्रक्षेपण के दौरान उत्पन्न ध्वनि का स्तर अधिक होता है, जो मानव और वन्यजीवों दोनों के लिए हानिकारक है। यह स्थानीय पर्यावरण पर गहरा प्रभाव डालता है और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को बाधित करता है। प्रक्षेपण स्थल के आसपास के जानवर और पक्षी तीव्र ध्वनि से भयभीत हो जाते हैं, जिससे उनके व्यवहार और प्रजनन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ध्वनि तरंगों की तीव्रता के कारण आसपास के पेड़ों और वनस्पतियों को भी नुकसान हो सकता है। अत्यधिक ध्वनि हानिकारक होती है। यह सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। प्रक्षेपण स्थल पर मौजूद लोगों को मानसिक तनाव, अनिद्रा और अन्य शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक तीव्र ध्वनि तरंगें आसपास की इमारतों और संरचनाओं को क्षति पहुंचा सकती हैं।

जब राकेट उड़ान भरता है, तो उसका इंजन बहुत अधिक गर्मी और गैस उत्सर्जित करता है, जिसमें हानिकारक रसायन और भारी धातुएं होती हैं। ये रसायन जमीन पर गिर कर मिट्टी में मिल जाते हैं। जिससे उसकी प्राकृतिक गुणवत्ता को नुकसान पहुंचता है। राकेट ईंधन में मौजूद हानिकारक रसायन (जैसे, हाइड्रोक्लोरिक एसिड और भारी धातुएं) मिट्टी की संरचना को बदल देते हैं। इन रसायनों के कारण मिट्टी का पीएच स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे वहां की खेती और पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है। प्रदूषित मिट्टी में सूक्ष्म जीवों और कीड़ों के जीवित रहने में कठिनाई । होती है, जिससे जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ता है। इन रसायनों का असर मिट्टी पर लंबे समय तक बना रह सकता है, जिससे जमीन की उपजाऊ क्षमता कम हो जाती है। वहीं प्रक्षेपण से अंतरिक्ष मलबे का बनना एक बड़ी समस्या जब कोई राकेट अंतरिक्ष में भेजा जाता है, तो उसके अलग-अलग हिस्से जैसे बस्टर जसे बूस्टर और उपग्रह को अंतरिक्ष में ले जाने वाले अन्य उपकरण, अपने काम पूरे करने के बाद अलग हो । इनमें से कुछ पृथ्वी पर वापस गिरते हैं, लेकिन कई टुकड़े अंतरिक्ष में ही घूमते रहते हैं। पुराने और निष्क्रिय उपग्रह समय के साथ टूटने लगते हैं, जिससे छोटे-छोटे टुकड़े बन जाते हैं। जब दो उपग्रह या मलबे आपस में टकराते हैं, तो उनके टुकड़े और ज्यादा मलबा बनाते हैं।

₹ राकेट और उपग्रह भेजने के के लिए अंतरराष्ट्रीय नियम और दिशा-निर्देश बनाए गए हैं, ताकि मलबे की समस्या को नियंत्रित किया सके। प्रक्षेपण स्थल के चारों ओर ध्वनि अवरोधक बनाए जा सकते हैं। राकेट प्रक्षेपण के दौरान जलवाष्प का उपयोग ध्वनि तरंगों की तीव्रता को कम करने के लिए किया जाता है। यह तरीका नासा और अन्य एजेंसियां अपनाती हैं। क्लोरीन आधारित ठोस ईंधनों को नाइट्रोजन आधारित यौगिकों से प्रतिस्थापित करना ओजोन परत की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है।

वैज्ञानिकों ने कई नवाचार किए। जिनका उद्देश्य प्रक्षेपण के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। हरित ईंधन के विकास और उपयोग से प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जैव ईंधन, तरल हाइड्रोजन और तरल आक्सीजन जैसे ईंधन न केवल कम विषैले होते हैं, बल्कि इनके जलने से न्यूनतम प्रदूषण होता है। राकेट प्रक्षेपण स्थलों को ऐसे क्षेत्रों स्थापित किया जाए, जहां पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े, जैसे समुद्र तट के नजदीक । । संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र और घनी आबादी वाले क्षेत्रों से प्रक्षेपण स्थलों को दूर रखना चाहिए। स्पेसएक्स जैसे संगठनों ने पुनः उपयोग योग्य राकेट विकसित किए हैं, जैसे फाल्कन 9, यह तकनीक हर प्रक्षेपण के लिए नए राकेट की जरूरत को समाप्त करती है।

निकट राकेट प्रक्षेपण आधुनिक विज्ञान और अंतरिक्ष अन्वेषण की रीढ़ है, लेकिन इसके पर्यावरणीय प्रभाव को अनदेखा नहीं किया जा सकता। प्रक्षेपण से उत्पन्न प्रदूषण को नियंत्रित करना कोई सरल कार्य नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं। वायुमंडलीय प्रदूषण, ओजोन परत का क्षरण, जल और मिट्टी का प्रदूषण और अंतरिक्ष मलबा जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमें तकनीकी नवाचार, नीति निर्माण और र वैश्विक श्वक सहयोग की आवश्यकता है। नवीन प्रौद्योगिकियां, जैसे : उपयोग योग्य राकेट और और 'ग्रीन प्रोपेलेंट्स' तथा पर्यावरणीय क्षति को कम कोक करने के लिए क्रांतिकारी कदम हैं। स्पेसएक्स, नासा, और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नियमों का पालन यह सुनिश्चित करेगा कि सभी देश पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को समझें और उनका अनुपालन करें। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है।

मनुष्य के अस्तित्व के लिए चुनौती बनते हालात

विजय गर्ग

आज के समय में पर्यावरण, जैव विविधता और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जो स्थिति बनी है, वह मानव के असीमित लोभ और संसाधनों की अंधी चाहत का परिणाम है। मौसम में आए अत्यधिक बदलाव, पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट और आर्थिक-सामाजिक ढांचे में संकट इन सबका प्रत्यक्ष परिणाम हैं। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि वर्षों से पर्यावरणविद, हमें चेतावनी दे रहे थे कि यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। हम अब उस स्थिति में पहुंच चुके हैं जहां से वापसी करना बहुत मुश्किल है।

दुनिया के स्तर पर जैव विविधता की बात करें तो अमेरिका की ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। मानसिक रोगियों पर किये गये अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है।

वहीं, जैव विविधता वाली ज़मीन पर कब्ज़े की घटनाओं में तीव्र वृद्धि हो रही है, खासकर २008 के बाद से। ये घटनाएं विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में हो रही हैं, जिनका असर वैश्विक स्तर पर भूमि असमानता, खाद्य असुरक्षा, किसान विद्रोह और ग्रामीण पलायन में वृद्धि कर रहा है। इस प्रवृत्ति ने छोटे और मंझले खाद्य उत्पादकों को संकट में डाल दिया है।

मानसिक स्वास्थ्य की विशेषज्ञ प्रोफेसर एंड्रिया मेचली के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की तेज़ गिरावट से सिर्फ प्राकृतिक पर्यावरण नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं। गौरतलब यह है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देश आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन दुख और चिंता की बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है। जहां तक धरती का फेफड़ा कहे जाने वाले दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन के बहुत बड़े भूभाग पर फैले अमेजन के वर्षा वनों का सवाल है, वे विनाश के कगार पर हैं। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल खतरे के दायरे में हैं।

दरअसल, दुनिया में जंगलों का सबसे ज्यादा विनाश ब्राजील में हुआ है और यह सिलसिला आज भी जारी है। उसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो और बोलीविया का नम्बर आता है। यदि मैरीलैंड यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के ग्लोबल वाच की हालिया रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में साल २०२३ में 37 लाख हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गये।

भारत में बीते 30 वर्षों में जंगलों की कटाई में भारी बढ़ोतरी हुई है। भले ही इसके प्राकृतिक कारण हों या मानवीय। इसमें देश के पांच राज्यों यथा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश शीर्ष पर हैं जहां देश में आग से सबसे ज्यादा जंगल तबाह हुए हैं। यह सिलसिला आज भी जारी है।

यदि ग्लासगो में हुए कॉप-२६ सम्मेलन की बात करें तो इसमें दुनिया के 144 देशों ने २०30 तक इन जंगलों को बचाने का संकल्प लिया था। गौरतलब है कि यदि दुनिया में वनों की कटाई पर रोक लगायी जाती है तो एक अनुमान के आधार पर उस हालत में १00 अरब डालर की रकम खर्च होगी। जबकि अभी दुनिया में जंगलों को बचाने पर सालाना तीन अरब डालर की राशि खर्च की जा रही है।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की कंजरवेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट की वैज्ञानिक के अनुसार जंगलों को बचाने के लिए दुनियाभर की सरकारों को सालाना 130 अरब डालर खर्च करने होंगे।

यदि २०30 तक वनों की कटाई पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले समय में यह खर्च कई गुणा बढ़ जायेगा और कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी से पर्यावरणीय समस्याएं और विकराल रूप धारण कर लेंगी। चिंता की बात यह है कि वैज्ञानिकों की इस बारे में एकमुश्त राय है कि ऊर्जा, उत्पाद और दूसरी सामग्रियों के लिए दुनियाभर की कंपनियों की नजर जैव विविधता पर है। अनुमान है कि जैव विविधता के दोहन के लिए दुनियाभर के देश २०30 तक 400 अरब डालर का निवेश करेंगे जो मौजूदा समय से २0 गुणा ज्यादा होगा।

दरअसल, जैव विविधता को संरक्षित करने में वन की उपयोगिता जगजाहिर है लेकिन विडम्बना है कि हम उन्हीं के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। बीते तीन दशक इसके सबूत हैं कि उनमें हमने तकरीबन एक अरब वन मानवीय स्वार्थ के चलते खत्म कर दिये हैं। हम यह क्यों नहीं समझते कि यदि अब भी हम नहीं चेते तो हमारा यह मौन हमें कहां ले जायेगा और क्या मानव सभ्यता बची रह पायेगी ?

डिजिटल उपवास की सार्थक मुहिम

विजय गर्ग

किसी भी सकारात्मक कार्य को करने के लिए साझा मुहिम की दरकार होती है। मिलजुलकर की गई कोशिशें न केवल समग्र परिवेश की भागीदारी सुनिश्चित करती हैं, बल्कि सफल भी होती हैं। तकनीक के लती बनते बच्चों - बड़ों के बढ़ते आंकड़ों के चलते डिजिटल उपवास के मोर्चे पर भी अब मिलकर कदम उठाने की स्थितियां बन गई हैं। बीते दिनों महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक गांव के लोगों ने स्क्रीन से दूरी बनाने को लेकर एक सार्थक पहल की शुरुआत की। डिजिटल डिटाक्स के माध्यम से स्क्रीन समय घटाने की राह चुनी। गौरतलब है कि मोहित्यांचे वडगांव गांव में हर रात सात बजे सायरन बजते ही लोग स्मार्ट फोन और दूसरे इलेक्ट्रानिक उपकरण बंद कर देते हैं। तकनीक के नियत और सधे इस्तेमाल की यह मुहिम सचमुच महत्वपूर्ण है। सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल गतिविधियों में बीत रहे असीमित समय से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने वाली है।

भारत ही नहीं, दुनिया के हर हिस्से में बसे लोगों के जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं, जो वर्चुअल व्यस्तता के दुष्प्रभाव से बचा हो। लोग तकनीक के इस जाल में फंसकर अपनों से दूर हो रहे हैं। अपने आप को खो रहे हैं। क्लिक क्लिक की धुन में जीवन की सहजता भुला बैठे हैं। स्क्रीन पर हर पल कुछ न कुछ देखते हुए अपने परिवेश से कट रहे हैं। नतीजन, देश-दुनिया में डिजिटल डिटाक्स से जुड़ी मुहिम देखने को मिल रही हैं। तकनीकी व्यस्तता से बचने का पाठ राजस्थान में ब्रह्माकुमारी सिस्टर्स स्कूल और कालेजों में भी पढ़ाया जा रहा है। वहां 'डिजिटल डिटाक्स हेल्थ एंड अवेयरनेस और सेल्फ एंपावरमेंट टू डिजिटल डिटाक्स' जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कर्नाटक सरकार भी गेमिंग और इंटरनेट मीडिया के सधे इस्तेमाल की सजगता के लिए इंडिया गेम डेवलपर्स फोरम के साथ डिजिटल डिटाक्स पहल कर चुकी है।

वस्तुत: लोगों को जोड़ने के मोर्चे पर जीवन का हिस्सा बनी तकनीक अब दूरियां बढ़ाने लगी है। स्मार्ट स्क्रीन मित्रों, परिजनों और सगे-संबंधियों को दिया जाने वाला समय चुरा रही है। वर्चुअल व्यस्तता का असर आपराधिक घटनाओं की लिप्तता से लेकर सामाजिक जीवन में बढ़ते अकेलेपन तक दिखने लगा है। साझे प्रयास ही लोगों को इस जाल से निकाल सकते हैं। वर्तमान में तनाव, व्यग्रता और पोस्चर से जुड़ी समस्याओं का एक कारण स्मार्ट स्क्रीन स्क्रॉलिंग भी है। इतना ही नहीं, रात को बिस्तर पर जाने के बाद भी घंटों स्मार्ट स्क्रीन में ताकना नींद की कमी और आंखों से जुड़ी व्याधियों को बढ़ा रहा है। दुनिया भर के अपडेट्स देखते रहना मन को अशांत कर मानसिक तनाव का शिकार बनाता है। स्वास्थ्य समस्याओं के चलते कई देशों में तो महंगी फीस चुकाकर डिजिटल डिटाक्सिंग की सेवाएं ली जा रही हैं।

स्वाभिमान

विजय गर्ग

कालिज पहुंचते ही तनु ने आज सब से पहले स्टाफ क्वार्टर के लिए आवेदन किया. इतने साल हो गए उसे कालिज में पढ़ाते हुए, चाहती तो कभी का क्वार्टर ले सकती थी पर इतना बड़ा बंगला छोड़ कर यों स्टाफ क्वार्टर में रहने की उस ने कभी कल्पना भी नहीं की थी. फिर प्रणव को भी तनु के घर आ कर रहना पसंद नहीं था. उन का अभिमान आहत होता था. उन्हें लगता कि वहां वह 'मिस्टर तनुश्री राय' बन कर ही रह जाएंगे. और यह बात उन्हें कतई मंजूर न थी.

आज सुबह ही प्रणव ने उसे अपने घर से निकल जाने को कह दिया जबकि तनु को इस घर में 30 साल गुजर चुके हैं. कहने को तो प्रणव ने उसे सबकुछ दिया है, बढ़िया सा घर, 2 बच्चे, जमाने की हर सुखसुविधा 'लेकिन नहीं दिया तो बस, आत्मसम्मान से जीने का हक. हर अच्छी बात का श्रेय खुद लेना, तनु के हर काम में मीनमेख निकालना और बातबात पर उस को 'मिडिल क्लास मानसिकता' का ताना देना, यही तो किया है प्रणव ने शुरू से अब तक. पलंग पर लेटेलेटे तनु अपने ही जीवन से जुड़ी घटनाओं का तानाबाना बुनने लगी.

इतने वर्षों से तनु को लगने लगा था कि उसे यह सब सहने की आदत सी हो गई है पर आज सुबह उस का धैर्य जवाब दे गया. जैसेजैसे उम्र बढ़ रही थी प्रणव का कहनासुनना बढ़ता जा रहा था और तनु की सहनशीलता खत्म होती जा रही थी.

तनु जानती है कि अमेरिका में रह रहे बेटे के विवाह कर लेने की खबर प्रणव बरदाश्त नहीं कर पा रहे हैं, बल्कि उन के अहम को चोट पहुंची है. अब तक हर बात का फैसला लेने का एकाधिकार उस से छिन जो गया था. प्रणव की नजरों में इस के लिए तनु ही दोषी है. बच्चों को अच्छे संस्कार जो नहीं दे पाई है 'यही तो कहते हैं प्रणव बच्चों की हर गलती या जिद पर.

जबकि वह अच्छी तरह जानते हैं कि बच्चों के बारे में किसी भी तरह का निर्णय लेने का कोई अधिकार उन्होंने तनु को नहीं दिया. यहां तक कि उस के गर्भ के दौरान किस डाक्टर से चैकअप कराना है, क्या खाना है, कितना खाना है आदि बातों में भी अपनी ही मर्जी चलाता. शुरू में तो तनु को यह बात अच्छी लगी थी कि कितना केयरिंग हसबैंड मिला है लेकिन धीरेधीरे पता चला यह केयर नहीं, अपितु स्टेटस का सवाल था.

कितना चाहा था तनु ने कि बेटी कला के क्षेत्र में नाम कमाए पर उसे डाक्टर बनाना पड़ा, क्योंकि प्रणव यही चाहते थे. बेटे को आई.ए.एस. बनाने की चाह भी तनु के मन में धरी की धरी रह गई और वह प्रणव के आदेशानुसार वैज्ञानिक ही बना, जो आजकल नासा में कार्यरत है.

ऐसा नहीं कि बच्चों की सफलता से तनु खुश नहीं है या बच्चे अपने प्राप्यों से संतुष्ट नहीं हैं लेकिन यह भी सत्य है कि प्रणव इस सब से इसलिए संतुष्ट हैं कि बच्चों को इन क्षेत्रों में भेजने से वह और तनु आज सोसाइटी में सब से अलग नजर आ रहे हैं.

पूरी जिंदगी सबकुछ अपनी इच्छा और पसंद को ही सर्वश्रेष्ठ मानने की आदत होने के कारण बेटे की शादी प्रणव को अपनी हार प्रतीत हो रही है. यही हार गुस्से के रूप में पिछले एक सप्ताह से किसी न किसी कारण तनु पर निकल रही है. प्रणव को वैसे भी गुस्सा करने का कोई न कोई कारण सदा से मिलता ही रहा है.

प्रणव यह क्यों नहीं समझते कि बेटे के इस तरह विवाह कर लेने से तनु को भी तो दुख हुआ होगा. पर उन्हें उस की खुशी या दुख से कब सरोकार रहा है. जब बेटे का फोन आया था तो तनु ने कहा भी था, 'खुशी है कि तुम्हारी शादी होगी, लेकिन तुम अगर हमें अपनी पसंद बताते तो हम यहीं बुला कर तुम्हारी शादी करवा देते. सभी लोगों को दावत देते 'वहां बहू को कैसा लगेगा, जब घर पर नई बहू का स्वागत करने वाला कोई भी नहीं होगा.'

'क्या मौम आप भी, कोई कैसे नहीं होगा, दीदी और जीजाजी आ रहे हैं न. आप को तो पता है कि अपनी पसंद बताने पर पापा कभी नहीं होने देते यह शादी. दीदी की बार का याद नहीं है आप को. डा. सोमेश को तो दीदी ने उस तरह पसंद भी नहीं किया था. बस, पापा ने उन्हें रेस्तरां में साथ बैठे ही तो देखा था. घर में कितने दिनों तक हंगामा रहा था. दीदी ने कितना कहा था कि डा. सोमेश केवल उन के कुलीग हैं पर कभी पापा ने सुनी ? उन्होंने आननफानन में कैसे अपने दोस्त के डा. बेटे के साथ शादी करवा दी. यह ठीक है कि जीजाजी भी एकदम परफेक्ट हैं.

'सौरी मौम, मेरी शादी के कारण आप को पापा के गुस्से का सामना करना पडे़गा. रीयली मौम, आज मैं महसूस करता हूं कि आप कैसे उन के साथ इतने वर्षों से निभा रही हैं. यू आर ग्रेट मौम 'आई सेल्यूट यू 'ओ.के., फोन रखता हूं. शादी की फोटो ईमेल कर दूंगा.'

तनु बेटे की इन बातों से सोच में पड़ गई. सच ही तो कहा था उस ने. लेकिन वह गुस्सा एक बार में खत्म नहीं हुआ था. पिछले एक सप्ताह से रोज ही उसे इस स्थिति से दोचार होना पड़ रहा है. सुबह यही तो हुआ था जब प्रणव ने पूछा था, 'सुना, कल तुम निमिषा के यहां गई थीं.

'हां.'

'मुझे बताया क्यों नहीं.'

'कल रात आप बहुत लेट आए तो ध्यान नहीं रहा.'

''ध्यान नहीं रहा' का क्या मतलब है, फोन कर के बता सकती थीं. कोई काम था वहां ?'

'निमिषा बहुत दिनों से बुला रही थी. कालिज में कल शाम की क्लास थी नहीं, सोचा उस से मिलती चलूं.'

'तुम्हें मौका मिल गया न मुझे नीचा दिखाने का. तुम्हें शर्म नहीं आई कि बेटे ने ऐसी करतूत की और तुम रिश्तेदारी निभाती फिर रही हो.'

'निमिषा आप की बहन होने के साथसाथ कालिज के जमाने की मेरी सहेली भी है 'और रही बात बेटे की, तो उस ने शादी ही तो की है, गुनाह तो नहीं.'

'पता है मुझे, तुम्हारी ही शह से बिगड़ा है वह. जब मां बिना पूछे काम करती है तो बेटे को कैसे रोक सकती है. भूल जाती हो तुम कि अभी मैं जिंदा हूं, इस- घर का मालिक हूं.'

'मैं ने क्या काम किया है आप से बिना पूछे. इस घर में कोई सांस तो ले नहीं सकता बिना आप की अनुमति के 'हवा भी आप से इजाजत ले कर यहां प्रवेश करती है 'जिंदगी की छोटीछोटी खुशियों को भी जीने नहीं दिया 'यह तो मैं ही हूं कि जो यह सब सहन करती रही'.'

'क्या सहन कर रही हो तुम, जरा मैं भी तो सुनूं. ऐसा स्टेटस, ऐसी शान, सोसाइटी में एक पहचान है तुम्हारी 'और कौन सी खुशियां चाहिए ?'

तनु तंग आ गई इन बातों से. हार कर उस ने कह दिया, 'देखो प्रणव, यह रोज की खिचखिच बंद करो. अब इस उम्र में मुझ से और सहन नहीं होता. मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता.'

'नहीं सहन होता तो चली जाओ यहां से, जहां अच्छा लगता है वहां चली जाओ. क्यों रह रही हो फिर यहां.'

'चली जाऊं, छोड़ दूं, उम्र के इस पड़ाव पर, आप को बेशक यह कहते शर्म नहीं आई हो, पर मुझे सुनने में जरूर आई है. इस उम्र में चली जाऊं, शादी के 30 साल तक सब झेलती रही, अब कहते हो चली जाओ. जाना होता तो कब की सबकुछ छोड़ कर चली गई होती.'

तनु तड़प उठी थी. जिंदगी का सुख प्रणव ने केवल भौतिक सुखसुविधा ही जाना था. पूरी जिंदगी अपनेआप को मार कर जीना ही अपनी तकदीर मान जिस के साथ निष्ठा से बिता दी, उसी ने आज कितनी आसानी से उसे घर से चले जाने को कह दिया.

'हां, आज मुझे यह घर छोड़ ही देना चाहिए. अब तक पूरी जिंदगी प्रणव के हिसाब से ही जी है, यह भी सही.' सारी रात तनु ने इसी सोच के साथ बिता दी.

शादी के बाद कितने समय तक तो तनु प्रणव का व्यवहार समझ ही नहीं पाई थी. किस बात पर झगड़ा होगा और किस बात पर प्यार बरसाने लगेंगे, कहा नहीं जा सकता. कालिज से आने में देर हो गई तो क्यों हो गई, घरबार की चिंता नहीं है, और अगर जल्दी आ गई तो कालिज टाइम पास का बहाना है, बच्चों को पढ़ाना थोड़े ही है.

दुनिया की नजर में प्रणव से आदर्श पति और कोई हो ही नहीं सकता. मेरी हर सुखसुविधा का खयाल रखना, विदेशों में घुमाना, एक से एक महंगी साड़ियां खरीदवाना, जेवर, गाड़ी, बंगला, क्या नहीं दिया लेकिन वह यह नहीं समझ सके कि सुखसुविधा और खुशी में बहुत फर्क होता है.

तनु की विचारशृंखला टूटने का नाम ही नहीं ले रही थी 'मैं इन की बिना पसंद के एक रूमाल तक नहीं खरीद सकती, बिना इन की इच्छा के बालकनी में नहीं खड़ी हो सकती, इन की इच्छा के बिना घर में फर्नीचर इधर से उधर एक इंच भी सरका नहीं सकती, नया खरीदना तो दूर की बात' क्योंकि इन की नजर में मुझे इन चीजों की, इन बातों की समझ नहीं है. बस, एक नौकरी ही है, जो मैं ने छोड़ी नहीं. प्रणव ने बहुत कहा कि सोसाइटी में सभी की बीवियां किसी न किसी सोशल काम से जुड़ी रहती हैं. तुम भी कुछ ऐसा ही करो. देखो, निमिषा भी तो यही कर रही है पर तुम्हें क्या पता 'पहले हमारे बीच खूब बहस होती थी, पर धीरेधीरे मैं ने ही बहस करना छोड़ दिया.

आज मैं थक गई थी ऐसी जिंदगी से. बच्चों ने तो अपना नीड़ अलग बना लिया, अब क्या इस उम्र में मैं 'हां 'शायद यही उचित होगा 'कम से कम जिंदगी की संध्या मैं बिना किसी मानसिक पीड़ा के बिताना चाहती हूं.

प्रणव तो इतना सबकुछ होने के बाद भी सुबह की उड़ान से अपने काम के सिलसिले में एक सप्ताह के लिए फ्रैंकफर्ट चले गए. उन के जाने के बाद तनु ने रात में सोची गई अपनी विचारधारा पर अमल करना शुरू कर दिया. अभी तो रिटायरमेंट में 5-6 वर्ष बाकी हैं इसलिए अभी क्वार्टर लेना ही ठीक है, आगे की आगे देखी जाएगी.

तनु को क्वार्टर मिले आज कई दिन हो गए, लेकिन प्रणव को वह कैसे बताए, कई दिनों से इसी असमंजस में थी. दिन बीतते जा रहे थे. प्रोफेसर दीप्ति, जो तनु के ही विभाग में है और क्वार्टर भी तनु को उस के साथ वाला ही मिला है, कई बार उस से शिफ्ट करने के बारे में पूछ चुकी थी. तनु थी कि बस, आजकल करती टाल रही थी.

सच तो यह है कि तनु ने उस दिन आहत हो कर क्वार्टर के लिए आवेदन कर दिया था और ले भी लिया, पर इस उम्र में पति से अलग होने की हिम्मत वह जुटा नहीं पा रही थी. यह उस के मध्यवर्गीय संस्कार ही थे जिन का प्रणव ने हमेशा ही मजाक उड़ाया है.

ऐसे ही एक महीना बीत गया. इस बीच कई बार छोटीमोटी बातें हुईं पर तनु ने अब खुद को तटस्थ कर लिया, लेकिन वह भूल गई थी कि प्रणव के विस्फोट का एक बहाना उस ने स्वयं ही उसे थाली में परोस कर दे दिया है.

कालिज से मिलने वाली तनख्वाह बेशक प्रणव ने कभी उस से नहीं ली और न ही बैंक में जमा पैसे का कभी हिसाब मांगा पर तनु अपनी तनख्वाह का चेक हमेशा ही प्रणव के हाथ में रखती रही है. वह भी उसे बिना देखे लौटा देते हैं. इतने वर्षों से यही नियम चला आ रहा है.

तनु ने जब इस महीने भी चेक ला कर प्रणव को दिया तो उस पर एक नजर डाल कर वह पूछ बैठे, ''इस बार चेक में अमाउंट कम क्यों है ?''

पहली बार ऐसा सवाल सुन कर तनु चौंक गई. उस ने सोचा ही नहीं था कि प्रणव चेक को इतने गौर से देखते हैं. अब उसे बताना ही पड़ा, ''अगले महीने से ठीक हो जाएगा. इस महीने शायद स्टाफ क्वार्टर के कट गए होंगे.''

अभी उस का वाक्य पूरा भी नहीं हुआ था, ''स्टाफ क्वार्टर के 'किस का 'तुम्हारा 'कब लिया 'क्यों लिया' और मुझे बताया भी नहीं ?''

तनु से जवाब देते नहीं बना. बहुत मुश्किल से टूटेफूटे शब्द निकले, ''एकडेढ़ महीना हो गया 'मैं बताना चाह रही थी 'लेकिन मौका ही नहीं मिला 'वैसे भी अब मैं उसे वापस करने की सोच रही हूं'''

''एक महीने से तुम्हें मौका नहीं मिला 'मैं मर गया था क्या ? यों कहो कि तुम बताना नहीं चाहती थीं 'और जब लिया है तो वापस करने की क्या जरूरत है 'रहो उस में' ''

''नहीं 'नहीं, मैं ने रहने के लिए नहीं लिया''

''फिर किसलिए लिया है ?''

''उस दिन आप ने ही तो मुझे घर से निकल जाने को कहा था.''

''तो गईं क्यों नहीं अब तक 'मैं पूछता हूं अब तक यहां क्या कर रही हो ?''

''आप की वजह से नहीं गई. समाज क्या कहेगा आप को कि इस उम्र में अपनी पत्नी को निकाल दिया 'आप क्या जवाब देंगे 'आप की जरूरतों का ध्यान कौन रखेगा ?''

''मैं समाज से नहीं डरता 'किस में हिम्मत है जो मुझ से प्रश्न करेगा और मेरी जरूरतों के लिए तुम्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है 'जिस के मुंह पर भी चार पैसे मारूंगा 'दौड़ कर मेरा काम करेगा 'मेरा खयाल कर के नहीं गई 'चार पैसे की नौकरी पर इतराती हो. अरे, मेरे बिना तुम हो क्या 'तुम्हें समाज में लोग मिसिज प्रणव राय के नाम से जानते हैं.''

तनु का क्रोध आज फिर अपना चरम पार करने लगा, ''चुप रहिए, मैं ने पहले ही कहा था कि अब मुझ से बरदाश्त नहीं होता. ''

''कौन कहता है कि बरदाश्त करो 'अब तो तुम ने मकान भी ले लिया है. जाओ 'चली जाओ यहां से 'मैं भूल गया था कि तुम जैसी मिडिल क्लास को कोठीबंगले रास नहीं आते. तुम्हारे लिए तो वही 2-3 कमरों का दड़बा ही ठीक है.''

तनु इस अपमान को सह नहीं पाई और तुरंत ही अंदर जा कर अपना सूटकेस तैयार किया और वहां से निकल पड़ी. आंखों में आंसू लिए आज कोठी के फाटक को पार करते ही तनु को ऐसा लगा मानो कितने बरसों की घुटन के बाद उस ने खुली हवा में सांस ली है.

सारी रात आंखों में ही काट दी तनु ने अपने नए घर में 'सुबह ही झपकी लगी कि डोरबेल से आंख खुल गई. सोचा, शायद प्रणव होंगे पर प्रोफेसर दीप्ति थी.

''बाहर से ताला खुला देखा इसलिए बेल बजा दी. कब आईं आप ?'' शालीनता से पूछा था दीप्ति ने.

''रात ही में.''

''ओह, अच्छा 'पता ही नहीं चला. और मिस्टर राय ?''

''वह बाहर गए हैं 'तब तक दोचार दिन मैं यहां रह कर देखती हूं, फिर देखेंगे.''

दीप्ति भेदभरी मुसकान से 'बाय' कह कर वहां से चल दी.

पूरा दिन निकल गया प्रतीक्षा में. तनु को बारबार लग रहा था प्रणव अब आए, तब आए. पर वह नहीं ही आए.

रात होतेहोते तनु ने अपने मन को समझा लिया था कि यह किस का इंतजार था मुझे ? उस का जिस ने घर से निकाल दिया. अगर उन्हें आना ही होता तो मुझे निकालते ही क्यों 'सचमुच मैं उन की जिंदगी का अवांछनीय अध्याय हूं. लेकिन ऐसा तो नहीं कि मैं जबरदस्ती ही उन की जिंदगी में शामिल हुई थी'

कालिज में मैं और निमिषा एक साथ पढ़ते थे. एक ही कक्षा और एक जैसी रुचियां होने के कारण हमारी शीघ्र ही दोस्ती हो गई. निमिषा और मुझ में कुछ अंतर था तो बस, यही कि वह अपनी कार से कालिज आती जिसे शोफर चलाता और बड़ी इज्जत के साथ कार का गेट खोल कर उसे उतारताबैठाता, और मैं डीटीसी की बस में सफर करती, जो सचमुच ही कभीकभी अंगरेजी भाषा का 'सफर' हो जाता था. मेरा मुख्य उद्देश्य था शिक्षा के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना और निमिषा का केवल ग्रेजुएशन की डिगरी लेना. इस के बावजूद वह पढ़ाई में बहुत बुद्धिमान थी और अभी भी है'

ग्रेजुएशन करने तक मैं कभी निमिषा के घर नहीं गई 'अच्छी दोस्ती होने के बाद भी मुझे लगता कि मुझे उस से एक दूरी बनानी है 'कहां वह और कहां मैं 'लेकिन जब मैं ने एम.ए. का फार्म भरा तो मुझे देख उस ने भी भर दिया और इस तरह हम 2 वर्ष तक और एकसाथ हो गए. इस दौरान मुझे दोचार बार उस के घर जाने का मौका मिला. घर क्या था, महल था.

मेरी हैरानी तब और बढ़ गई जब एम.फिल. के लिए मेरे साथसाथ उस ने भी आवेदन कर दिया. मेरे पूछने पर निमिषा ने कहा था, 'यार, मम्मीपापा शादी के लिए लड़का ढूंढ़ रहे हैं, जब तक नहीं मिलता, पढ़ लेते हैं. तेरे साथसाथ जब तक चला जाए'' बिना किसी लक्ष्य के निमिषा मेरे साथ कदम-दर-कदम मिलाती हुई बढ़ती जा रही थी और एक दिन हम दोनों को ही लेक्चरर के लिए नियुक्त कर लिया गया.

इस खुशी में उस के घर में एक भव्य पार्टी का आयोजन किया गया था. उसी पार्टी में पहली बार उस के भाई प्रणव से मेरी मुलाकात हुई. बाद में मुझे पता चला कि उस दिन पार्टी में मेरे रूपसौंदर्य से प्रभावित हो कर निमिषा के मम्मीपापा ने निमिषा की शादी के बाद मुझे अपनी बहू बनाने पर विचार किया, जिस पर अंतिम मोहर मेरे घर वालों को लगानी थी जो इस रिश्ते से मन में खुश भी थे और उन की शानोशौकत से भयभीत भी.

इस सब में लगभग एक साल का समय लगा. प्रणव कई बार मुझ से मिले, वह जानते थे कि मैं एक आम भारतीय समाज की उपज हूं 'शानोशौकत मेरे खून में नहीं 'लेकिन शादी के पहले मेरी यही बातें, मेरी सादगी, उन्हें अच्छी लगती थी, जो उन की सोसाइटी में पाई जाने वाली लड़कियों से मुझे अलग करती थी.

तनु को यहां रहते एक महीना हो चुका था. कुछ दिन तो दरवाजे की हर घंटी पर वह प्रणव की उम्मीद लगाती, लेकिन उम्मीदें होती ही टूटने के लिए हैं. इस अकेलेपन को तनु समझ ही नहीं पा रही थी. कभी तो अपने छोटे से घर में 55 वर्षीय प्रोफेसर डा. तनुश्री राय का मन कालिज गर्ल की तरह कुलाचें मार रहा होता कि यहां यह मिरर वर्क वाली वाल हैंगिंग सही लगेगी 'और यह स्टूल यहां 'नहीं 'इसे इस कोने में रख देती हूं.

घर में कपडे.की वाल हैंगिंग लगाते समय तनु को याद आया जब वह जनपथ से यह खरीद कर लाई थी और उसे ड्राइंग रूम में लगाने लगी तो प्रणव ने कैसे डांट कर मना कर दिया था कि यह सौ रुपल्ली का घटिया सा कपडे.का टुकड़ा यहां लगाओगी 'इस का पोंछा बना लो 'वही ठीक रहेगा 'नहीं तो अपने जैसी ही किसी को भेंट दे देना.

तनु अब अपनी इच्छा से हर चीज सजा रही थी. कोई मीनमेख निकालने वाला या उस का हाथ रोकने वाला नहीं था, लेकिन फिर भी जीवन को किसी रीतेपन ने अपने घेरे में घेर लिया था.

कालिज की फाइनल परीक्षाएं समाप्त हो चुकी थीं. सभी कहीं न कहीं जाने की तैयारियों में थे. प्रणव के साथ मैं भी हमेशा इन दिनों बाहर चली जाया करती थी 'सोच कर अचानक तनु को याद आया कि बेटा 'यश' के पास जाना चाहिए 'उस की शादी पर तो नहीं जा पाई थी 'फिर वहीं से बेटी के पास भी हो कर आऊंगी.

बस, तुरतफुरत बेटे को फोन किया और अपनी तैयारियों में लग गई. कितनी प्रसन्नता झलक रही थी यश की आवाज में. और 3 दिन बाद ही अमेरिका से हवाई जहाज का टिकट भी भेज दिया था.

फ्लाइट का समय हो रहा था' ड्राइवर सामान नीचे ले जा चुका था, तनु हाथ में चाबी ले कर बाहर निकलने को ही थी कि दरवाजे पर दस्तक हुई, उफ, इस समय कौन होगा. देखा, दरवाजे पर प्रणव खड़े हैं.

क्षण भर को तो तनु किंकर्तव्य- विमूढ़ हो गई. उफ, 2 महीनों में ही यह क्या हो गया प्रणव को. मानो बरसों के मरीज हों.

''कहीं जा रही हो क्या ?'' प्रणव ने उस की तंद्रा तोड़ते हुए पूछा.

''हां, यश के पास 'पर आप अंदर तो आओ.''

''अंदर बैठा कर तनु प्रणव के लिए पानी लेने को मुड़ी ही थी कि उस ने तनु का हाथ पकड़ लिया, ''तनु, मुझे माफ नहीं करोगी. इन 2 महीनों में ही मुझे अपने झूठे अहम का एहसास हो गया. जिस प्यार और सम्मान की तुम अधिकारिणी थीं, तुम्हें वह नहीं दे पाया. अपने 'स्वाभिमान' के आवरण में घिरा हुआ मैं तुम्हारे अस्तित्व को पहचान ही नहीं पाया. मैं भूल गया कि तुम से ही मेरा अस्तित्व है. मैं तुम्हारे बिना अधूरा हूं 'यह सच है तनु, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं 'पहले भी करता था पर अपने अहम के कारण कहा नहीं, आज कहता हूं तनु, तुम्हारे बिना मैं मर जाऊंगा 'मुझे माफ कर दो और अपने घर चलो. बहू को पहली बार अपने घर बुलाने के लिए उस के स्वागत की तैयारी भी तो करनी है 'मुझे एक मौका दो अपनी गलती सुधारने का.'

तनु बुढ़ापे में पहली बार अपने पति के प्यार से सराबोर खुशी के आंसू पोंछती हुई अपने बेटे को अपने न आ पाने की सूचना देने के लिए फोन करने लगा.

नए इनकम टैक्स बिल में क्या है खास, 10 प्वाइंट में समझिए पूरी बात

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में नया इनकम टैक्स बिल पेश कर दिया है। 622 पेज का ये बिल राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेगा। इसे 1 अप्रैल 2026 से लागू किया जा सकता है। नए बिल का मुख्य लक्ष्य टैक्स प्रावधानों को आम लोगों की समझ के लिए आसान बनाना है।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नया आयकर बिल पेश कर दिया है। इसका मकसद मौजूदा आयकर कानून की जटिलताओं को दूर करना और उसे करदाताओं के लिए आसान बनाना है। यह बिल लोकसभा में पास भी हो गया है। आइए 10 प्वाइंट में जानते हैं कि इस आयकर बिल में क्या खास है और इससे टैक्सपेयर्स को क्या लाभ होगा।

नया इनकम टैक्स बिल क्यों बना?

नए इनकम टैक्स बिल का मकसद कानून को सरल और स्पष्ट बनाना है। इस नए बिल से लगभग 3 लाख शब्द कम किए गए हैं। इससे कानून अधिक सुगम और समझने में आसान होगा। साथ ही, बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने और टैक्स सिस्टम को पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

880 की जगह 622 पन्ने

नए इनकम टैक्स बिल को पहले आयकर कानून 1961 की जगह पेश किया गया है। पुराने कानू में कुल 880 पन्नों थे। नए कानून में 622 पन्ने रखे गए हैं। इसमें ज्यादातर सबसेक्शन खत्म कर दिए गए हैं। नए कानून को इनकम टैक्स एक्ट, 2025 कहा जाएगा।

पुराने और गैरजरूरी प्रावधान हटाए गए

पुराने और गैरजरूरी प्रावधान हटा दिए गए हैं। इससे कानून अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। इसे आम नागरिकों के समझने लायक बनाया गया है।

आसान और स्पष्ट भाषा

पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। जैसे 'नॉटविथस्टैंडिंग' (Notwithstanding) को 'इरिस्पेक्टिव ऑफ एनीथिंग' (Irrespective of anything) में बदला गया है। इससे आम लोगों के लिए कानून पढ़ना और समझना आसान होगा।

'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर'

अब 'असेसमेंट ईयर' (Assessment Year) की जगह 'टैक्स ईयर' (Tax Year) होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा वित्त वर्ष की तरह। अगर कोई व्यवसाय बीच में शुरू होता है, तो उसका टैक्स ईयर उसी वित्त वर्ष में खत्म होगा।

डिजिटल एसेट्स पर टैक्स

अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को 'कैपिटल एसेट' माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी।

TDS और टैक्सेशन आसान

TDS और प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन (Presumptive Taxation) को टेबल फॉर्मेट में पेश किया गया है। इससे टैक्सपेयर्स को यह समझने में आसानी होगी कि उन्हें कितना टैक्स देना है।

विवादों के समाधान के लिए DRP (Dispute Resolution Panel)

अब टैक्स विवादों को जल्दी निपटाने के लिए DRP के फैसले को स्पष्ट रूप से पेश किया जाएगा। इससे अनावश्यक मुकदमेबाजी कम होगी।

पुराने टैक्स रिजीम का क्या होगा?

सरकार नए टैक्स रिजीम को बढ़ावा दे रही है, लेकिन ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहले ही कह चुकी हैं कि अभी सरकार का पुरानी टैक्स व्यवस्था को खत्म करने का कोई इरादा नहीं है।

लंबित टैक्स असेसमेंट खत्म होंगे

सरकार नए इनकम टैक्स बिल के तहत लंबित टैक्स असेसमेंट को खत्म नहीं करेगी। उनका निपटारा पुरानी व्यवस्था के हिसाब से ही किया जाएगा।

टैक्स विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी

नए कानून में कई सारे नियम आसान कर दिए गए हैं। इससे मुकदमेबाजी कम होगी, जिससे टैक्स विवाद जल्दी सुलझेंगे। इससे आम जनता के साथ सरकार को भी फायदा होगा।

नया बिल कानून कब बनेगा?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया है, जहां से यह पास भी हो गया है। अब इसे संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा। समिति की सिफारिशों के बाद इसे संसद में फिर से पेश किया जाएगा। संसद से मंजूरी और राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद यह नया इनकम टैक्स कानून लागू हो जाएगा।

कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत खोज रहा नए देश, अर्जेंटीना के बाद अब ब्राजील के साथ किया बड़ा करार

परिवहन विशेष न्यूज

भारत दुनिया के करीब 40 देशों के साथ कच्चा तेल आयात करता है। इसी क्रम में लैटिन अमेरिकी देशों में अर्जेंटीना के बाद अब ब्राजील के साथ करार किया है। ब्राजील की पेट्रोब्राज के साथ बीपीसीएल ओएनजीसी ओआईसी का करार हुआ है। दुनिया का दूसरे सबसे बड़े ऊर्जा सम्मेलन इंडिया एनर्जी वीक-2025 में ऊर्जा सुरक्षा के लिए कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

नई दिल्ली। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा सम्मेलन इंडिया एनर्जी वीक-2025 गुरुवार को समाप्त हो गया। भारत के पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन में भारतीय कंपनियों ने कई ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जो आने वाले दिनों में देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देंगे।

इसमें देश की एक प्रमुख रिफाइरी कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) का ब्राजील की कंपनी पेट्रोब्राज से 60 लाख बैरल कच्चे तेल के आयात का सालाना निर्यात का समझौता है, जो भारत की तेल खरीद विकल्पों को बढ़ाएगा। भारत ने हाल के दिनों में उन देशों से तेल खरीदने की शुरुआत की है जिनसे पारंपरिक तौर पर नहीं खरीदा जाता था।

अर्जेंटीना से भी की तेल खरीदने की शुरुआत

ब्राजील से पहले भारत ने अर्जेंटीना से तेल खरीदने की शुरुआत की है। भारत आज तकरीबन 40 देशों से कच्चे तेल का आयात करता है। वैश्विक बाजार में उथल-पुथल होने पर इससे देश के हितों की रक्षा ज्यादा बेहतर तरीके से की जा सकेगी।

12 लाख टन सालाना एलएनजी का होगा आयात

आईईडब्लू में एक अन्य समझौता संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी एडीएनओसी के साथ इंडियन आयल कार्पोरेशन (आइओसी) के बीच हुआ है। इसके तहत भारतीय कंपनी 12 लाख टन सालाना एलएनजी का आयात अगले 14 वर्षों तक करेगी। इस समझौते का कुल आकार 7 अरब डॉलर का है। जबकि इसी कंपनी से बीपीसीएल ने 24 लाख टन एलएनजी की खरीद को अगले पांच वर्षों तक और बढ़ाने का फैसला किया है।

मुंबई हाई में ब्रिटेन करेगा तकनीकी मदद

जबकि आइओसी ने नेपाल की योग्या होल्डिंग्स के साथ 1,000 टन सालाना एलएनजी निर्यात करने का समझौता किया है। एक अन्य समझौता ओएनजीसी और ब्रिटिश पेट्रोलियम के बीच हुआ है जिसके तहत भारत की सरकारी कंपनी के सबसे बड़े तेल फील्ड मुंबई हाई में तकनीकी मदद हासिल होगी।

ओएनजीसी ने ब्राजील की कंपनी पेट्रोब्राज के साथ एक अहम समझौता किया है जिसके तहत दोनों कंपनियां भारत, ब्राजील व अन्य देशों में तेल व गैस खोज करने का काम करेंगे।

हाइड्रोकार्बन के बाहर के अवसर भी तलाशेंगे

दोनों कंपनियां हाइड्रोकार्बन के बाहर भी अवसरों की तलाश करेंगे, खास तौर पर पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाने वाले ऊर्जा विकल्पों की खोज में। पेट्रोब्राज ने एक अन्य सार्वजनिक उपक्रम आयल इंडिया (ओआइसी) के साथ भी समझौता किया है जो भारत के बेहद गहरे समुद्री तट इलाके में स्थित बेसिन में तेल व गैस की खोज करेगा।

आरबीआई ने दो बैंकों पर 68 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, पढ़ें कारोबार से जुड़ी अन्य खबरें

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 'अग्रिमों पर ब्याज दर' और 'बैंकों में ग्राहक सेवा' पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए नैनीताल बैंक लिमिटेड पर 61.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, आरबीआई ने 'ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' पर आरबीआई द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए उज्जीवन लघु वित्त बैंक पर 6.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आइए इस बारे में और जानें।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसने नियामकीय नियमों के उल्लंघन के लिए दो बैंकों- नैनीताल बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक- पर कुल 68.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 'अग्रिमों पर ब्याज दर' और 'बैंकों में ग्राहक सेवा' पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए नैनीताल बैंक लिमिटेड पर 61.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, आरबीआई ने 'ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' पर आरबीआई द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए उज्जीवन लघु वित्त बैंक पर 6.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

आरबीआई ने अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) दिशा-निर्देशों और 'क्रेडिट सूचना कंपनियों को क्रेडिट सूचना प्रस्तुत करने के लिए डेटा प्रारूप' पर निर्देशों सहित कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए गैर-बैंकिंग इकाई श्रीराम फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

आरबीआई की ओर से जारी तीन अलग-अलग बयानों के अनुसार, ये दंड विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित हैं और इनका उद्देश्य उधारदाताओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है। इन मौद्रिक दंडों को लागू करने से कंपनी के खिलाफ आरबीआई द्वारा शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नई फसल से पहले गेहूं महंगा, लेकिन उपज बढ़ने की उम्मीद; हफ्ते भर में करीब 7% बढ़ा भाव

परिवहन विशेष न्यूज

गेहूं की कीमतों में यह तेजी ऐसे समय पर आई है जब मंडियों में नई फसल की आवक शुरू होने में महीनाभर बचा है, ऊपर से सरकार के गोदामों में भी गेहूं स्टॉक पिछले साल से ज्यादा है। भारतीय खाद्य निगम के आंकड़े बताते हैं कि पहली फरवरी तक केंद्रीय पूल में गेहूं का कुल स्टॉक 161.74 लाख टन दर्ज किया गया है। ऐसे में गेहूं की कीमतें आने वाले समय में कैसी रह सकती हैं, आइए जानें।

नई दिल्ली। गेहूं की नई फसल आने से पहले मंडियों में गेहूं की कीमतें आसमान पर हैं. बीते करीब एक हफ्ते के दौरान थोक भाव करीब 7 फीसद बढ़ गया है। हालांकि मौसम गेहूं की फसल के अनुकूल बना हुआ है जिस वजह से इस साल रिकॉर्ड उपज की उम्मीद जताई जा रही है। उपज बढ़ने की स्थिती में आगे चलकर भाव में नरमी भी आ सकती है। दिल्ली की थोक मंडी में शुक्रवार को गेहूं का भाव 3301 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया है, 6 फरवरी को दिल्ली में भाव 3095 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया था।

गेहूं की कीमतों में यह तेजी ऐसे समय पर आई है जब मंडियों में नई फसल की आवक शुरू होने में महीनाभर बचा है, ऊपर से सरकार के गोदामों में भी गेहूं स्टॉक पिछले साल से ज्यादा है। भारतीय खाद्य निगम के आंकड़े बताते हैं कि पहली फरवरी तक केंद्रीय पूल में गेहूं का कुल स्टॉक 161.74 लाख टन दर्ज किया गया है। पिछले साल पहली फरवरी को केंद्रीय पूल में गेहूं का कुल स्टॉक 132.66 लाख टन था। एसएमसी ग्लोबल के रिसर्च एसोसिएट रवि शंकर पांडे के मुताबिक हफ्तेभर के दौरान गेहूं की कीमतों में तेजी रह सकती है, उसके बाद कीमतों में नरमी आएगी।

इस साल देश में गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है, साथ में मौसम भी फसल के अनुकूल बना हुआ है। इस वजह से गेहूं की उपज में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। कृषि मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 10 फरवरी तक देशभर में गेहूं का कुल रकबा 324.88 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 6.55 फीसद ज्यादा है. पिछले साल 10 फरवरी तक देशभर में 318.33 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती दर्ज की गई थी।

करनाल स्थित भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ रतन तिवारी के मुताबिक देशभर में मौजूदा मौसम गेहूं की फसल के अनुकूल है, रात में तापमान कम होने की वजह से गेहूं की फसल को फायदा हो रहा है। डॉ तिवारी के मुताबिक देशभर में फसल की स्थिति बेहतर है और कहीं से रोग के प्रकोप की रिपोर्ट भी नहीं है। डॉ. रतन तिवारी का मानना है कि गेहूं की फसल और मौसम के मौजूदा हालात को देखते हुए कहा जा सकता है कि इस साल उत्पादन 11.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक का निदेशक मंडल 12 महीने के लिए भंग, परेशान ग्राहक दिखे नाराज

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने आज न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई के निदेशक मंडल को 12 महीने के लिए भंग कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस अवधि के दौरान बैंक के कामकाज का प्रबंधन करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक श्रीकांत को 'प्रशासक' नियुक्त किया है। 14 फरवरी, 2025 न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई के निदेशक मंडल को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (सहकारी समितियों पर लागू) की धारा 56 के साथ पठित धारा 36 एएए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भंग किया गया है। रिजर्व बैंक ने प्रशासक को उसके कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता के लिए 'सलाहकारों की एक समिति' भी नियुक्त की है। सलाहकार समिति में रवींद्र सपरा (पूर्व महाप्रबंधक, एसबीआई) और अभिजीत देशमुख (चार्टर्ड अकाउंटेंट) को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। बैंक में देखे गए खराब प्रशासनिक गड़बड़ियों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

क्या है पूरा मामला, यहां समझें

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पैसे निकालने, जमा करने, लोन देने और किसी प्रकार के लिए लेनदेन पर प्रतिबंध लगा दिया है। आरबीआई ने गुरुवार शाम को जारी अपने निर्देशों में कहा, बैंक में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से उत्पन्न पर्यवेक्षी चिंताओं और बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के कारण ये निर्देश आवश्यक हैं। बैंक की सबसे अधिक शाखाएं मुंबई और ठाणे में स्थित हैं और बैंक के कुल जमाकर्ताओं की संख्या 3 लाख से अधिक है। बैंक के ग्राहक एवं जमाकर्ता विश्वास उटजी ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि इस घटना को लेकर बैंक के सभी जमाकर्ता रविवार को गारेगांव में मीटिंग करने वाले हैं। हमारे खातों में पड़े पैसों को लेकर हमने अपने बैंक से भी बात की है, जहां से हमें अभी तक कोई जवाब नहीं मिली है।

बैंक के जमाकर्ता काफी सदमे में, लोगों में नाराजगी

फिलहाल रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के अनुसार हमारी जमा राशि के केवल पांच लाख रुपये दिए जाएंगे, लेकिन यह कब और कैसे मिलेंगे इस पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं मिली है। वे कहते हैं कि बैंक में केवल एक ग्राहक की नहीं कई संगठनों, संस्थाओं और कई वरिष्ठ नागरिक भी हैं, जिनकी जीवन भर की पूंजी इस बैंक के फिक्सड डिपॉजिट में है। कुछ ने तो अपने बच्चों की शादी के लिए पैसे जमा करके रखें है, तो कुछ ग्राहकों ने एक दिन पहले ही फिक्सड डिपॉजिट करवाया है। बैंक या आरबीआई केवल पांच लाख रुपये वापस करेगी बाकी के पैसों को क्या होगा, जो हमारी जीवन भर की कमाई है। उनका कहना है कि सरकार एक और बैंकों की वित्तीय स्थिति अच्छी कर रही है और दूसरी और बैंकों को बंद भी कर रही, बाकी बचा हुआ पैसा क्या बड़े बैंकों दिया जाएगा। इसका जवाब कौन देगा। ऐसे में बैंक के जमाकर्ता काफी सदमे में है।

एक अन्य बैंक के जमाकर्ता जयेश शाह बताते हैं कि उन्होंने गुरुवार की सुबह ही 50 लाख रुपये का बैंक में जमा किए थे, वे कहते हैं यह पैसे मैंने अपनी बेटी की शादी पर खर्च करने के लिए रखे थे, मई में शादी है अब क्या होगा यह समझ में नहीं आ रहा है। लोग कह रहे हैं कि केवल 5 लाख रुपये की मिलेंगे, लेकिन अब मैं शादी के लिए कहां से पैसे लाऊंगा। उनका कहना है कि यदि बैंको गुरुवार को आरबीआई की ओर से नोटिस मिला था, तो उसने हमारे पैसे कैसे जमा किए, इसका कौन जवाब देगा।

देश में अभी तक 450 सहकारी बैंकों को बंद किया जा चुका है

भारतीय बैंक एसोसिएशन के सदस्य कहते हैं कि देश में 20 साल में 450 सहकारी बैंकों को बंद किया जा चुका है। जिसमें ग्रामीण सहकारी बैंक और शहरी सहकारी बैंक शामिल हैं। जुलाई 2024 में आरबीआई ने बनारस मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति की वजह से उसका लाइसेंस रद्द कर दिया। इसके अलावा जून में आरबीआई ने अपर्याप्त पूंजी और कमाई की वजह से मुंबई के को-ऑपरेटिव बैंक और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पूर्वांचल को-ऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द कर दिए थे। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि साल 2023 में 17 बैंकों ने अपने कारोबार को बंद कर दिया। जिसमें आधा दर्जन बैंक शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) थे। 2014 के बाद कुल 60 सहकारी बैंक जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों की शामिल हैं उनको बंद कर दिया गया। 2022 में कुल 12 सहकारी बैंकों को बंद किया जा चुका है। वहीं महाराष्ट्र इस कैटेगरी में सबसे आगे है जहां 2014 से अब तक 36 सहकारी बैंकों को बंद किया जा चुका है। साल 2023 में पंजाब और महाराष्ट्र सहकारी बैंक के फेल होने के बाद 2020 से 5 लाख रुपये का जमा राशि का बीमा किया जाता है। यानी यदि कोई बैंक बंद हो जाती है या डूब जाती है, तो जमाकर्ता को 5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

सहकारी बैंकों का अनिश्चित भविष्य

बैंक विशेषज्ञ एवं जानकार रमेश जैन बताते हैं कि बैंकों को कई अन्य कारणों से अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई की बैंकों को लेकर दी गई रिपोर्ट को देखे तो पता चलता है कि2021 में अब तक, केंद्रीय बैंक ने यूसीबी को कम से कम 48 निर्देश जारी किए हैं, या तो नए विनियामक उपाय लागू किए हैं या मौजूदा उपायों को बढ़ाया है। इसके अलावा, ऐसे 75 मामले हैं जब यूसीबी को गैर-अनुपालन के लिए दंडित किया गया, जबकि 2020 में केवल 23 और 2019 में केवल सात मामले थे। अधिकतर सहकारी बैंक विषम बैंकिंग संरचना में असहज स्थिति में काम करते हैं। जबकि बड़े बैंकस में यह परेशानी नहीं होती, सहकारी बैंक जो ग्रामीण आबादी को ऋण वितरित करने और वित्तीय समावेशन में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वे अलोकप्रिय स्थिति में हैं। रिपोर्ट को देखे तो पता चलता है कि 31 मई, 2021 तक, 1,531 शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) और 97,006 ग्रामीण सहकारी बैंक हैं, जिनमें से ग्रामीण सहकारी बैंकों की हिस्सेदारी सभी सहकारी समितियों की कुल संपत्ति का 65 प्रतिशत है।

एनपीए के साथ घाटा बढ़ा

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार साल 2022-23 में सहकारी बैंकों के पोर्टफोलियों में फंसे कर्ज की हिस्सेदारी 8.8 प्रतिशत थी, जो 2013-14 में 5.7 प्रतिशत थी। फंसे कर्ज का अनुपात यानी एनपीए की ऑडिटिंग के बाद 2022-23 में 2.1 प्रतिशत था। सितंबर 2023 को आरबीआई के गवर्नर ने सहकारी बैंकों के बेड लोन अथवा फंसे लोन को लेकर चिंता जाताई थी। उसी साल केंद्रिय बैंक ने ऐसे बैंकों को मजबूत करने के उपायों को नोटिफाई भी किया था। बैंकों द्वारा दिए गए लोन की वैल्यू 2013-14 के बाद 65 प्रतिशत बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमा की वैल्यू 68 प्रतिशत बढ़कर 5.3 करोड़ रुपये हो गई है। साल 2023 में पंजाब और महाराष्ट्र सहकारी बैंक के फेल होने के बाद 2020 से 5 लाख रुपये का जमा राशि का बीमा किया जाता है। यानी यदि कोई बैंक बंद हो जाती है या डूब जाती है, तो जमाकर्ता को 5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

सोना नए शिखर पर, चांदी दोबारा 1 लाख के पार; चेक करें लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

सोना 1300 बढ़कर 89400 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया जबकि चांदी 2000 उछलकर 1 लाख रुपये प्रति किग्रा हो गई। कमजोर डॉलर और अमेरिकी टैरिफ नीतियों से कीमतों को समर्थन मिला। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2951 डॉलर और चांदी 34 डॉलर प्रति औंस पर पहुंची। विशेषज्ञों के मुताबिक बाजार की अस्थिरता से सोने की मांग बढ़ी है।

नई दिल्ली। भारी खरीदारी के चलते सोने की कीमतें 1,300 रुपये बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, ज्वेलर्स और रिटेलर्स की मजबूत मांग के कारण यह तेजी आई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने ने गुरुवार को 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार बंद किया था। वहीं, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 बढ़कर 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पहले 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

चांदी की कीमतों में भी 2,000 रुपये की तेजी आई और यह चार महीने के उच्चतम स्तर 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। गुरुवार को चांदी 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वायदा बाजार में तेजी

MCX (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) पर अप्रैल डिलीवरी के लिए सोने के वायदा सौदे 184 रुपये की बढ़त के साथ 85,993 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी के अनुसार, ₹कमजोर डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी टैरिफ नीतियों के चलते सोने की कीमतों में तेजी बनी हुई है। सोना एमसीएक्स पर चढ़ा, जबकि कॉमेक्स (COMEX) पर यह 2,935 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है।₹

उन्होंने आगे कहा कि अब बाजार की नजर अमेरिका के रिटेल सेल्स और कोर रिटेल सेल्स डेटा पर है, जो सोने की अगली चाल को प्रभावित कर सकता है।

वैश्विक बाजारों में सोने-चांदी का हाल

एमसीएक्स पर चांदी वायदा कीमत 2,517 यानी 2.64% बढ़कर 97,750 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

कॉमेक्स पर अप्रैल डिलीवरी के लिए सोने के वायदा सौदे 6.49 डॉलर बढ़कर 2,951.89 डॉलर प्रति औंस हो गए।

स्पॉट गोल्ड 2,929.79 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी वायदा एशियाई बाजारों में लगभग 4% की बढ़त के साथ 34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

क्यों बढ़ रही हैं सोने-चांदी की कीमतें?

कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार, कॉमेक्स पर सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही और यह 2,960 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। अगस्त 2020 के बाद यह पहली बार है जब सोना लगातार सातवें हफ्ते बढ़त के साथ बंद हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों के खिलाफ संभावित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' (परस्पर शुल्क) लगाने के फैसले से वैश्विक व्यापार और आर्थिक स्थिति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

इसके अलावा, चीनी उत्पादों पर पहले से लागू टैरिफ और स्टील एवं एल्युमिनियम आयात पर संभावित नए शुल्क भी सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प बना रहे हैं, जिससे इसकी कीमतें ऊपर जा रही हैं।

साइबरशाला : फॉरेंसिक में उड़ान - डॉ. महिपाल सिंह संखला से बातचीत

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। साइबरशाला, डिजिटल जागरूकता और साइबर सुरक्षा का सशक्त मंच है। आज हम प्रस्तुत करते हैं एक युवा और उभरते हुए व्यक्तित्व, डॉ. महिपाल सिंह संखला, जिन्होंने फॉरेंसिक दुनिया में अद्वितीय योगदान दिया है। हिंदी माध्यम से अपनी शुरुआत करके, आज डॉ. संखला फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रेरणा बन चुके हैं। उनकी मेहनत और नवप्रवर्तनशीलता नई पीढ़ी के लिए उज्जवल भविष्य की ओर एक कदम है।

साइबरशालाः नमस्कार डॉ. महिपाल सिंह संखला ! सबसे पहले, कृपया हमें अपने बारे में और आपके सफर के बारे में संक्षेप में बताएं।

डॉ. संखलाः नमस्कार ! मैंने हिंदी माध्यम में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और बाद में बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) इन फॉरेंसिक साइंस, मास्टर ऑफ साइंस और पीएच.डी. की पढ़ाई की। मेरी यात्रा में चुनौतियाँ थीं, विशेषकर भाषा की अड़चनों और शोध लेखन में शुरुआती कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन मुझे दृढ़ निश्चय और एक प्रेरणादायक मेंटर, डॉ. राजीव कुमार का सहयोग मिला, जिन्होंने मुझे अंग्रेजी सुधारने और शोध लेखन के गुर सिखाए।

साइबरशालाः आपके इस सफर में आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और आपने उनसे कैसे निपटा ?

डॉ. संखलाः शुरुआती दिनों में, मेरे हिंदी माध्यम होने के कारण बहुत से लोगों ने कहा कि मैं शोध लेखन नहीं कर सकता। मास्टर्स के दौरान मुझे काफी निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन मैंने हार मानने के बजाय खुद को साबित करने का संकल्प लिया। मैंने डॉ. राजीव कुमार की सलाह मानी और अंग्रेजी भाषा में सुधार किया। इस प्रयास से मेरी पहली शोध लेख प्रकाशित हुई, जिसने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

साइबरशालाः आपके अनुसंधान कार्य ने फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में काफी क्रांति ला दी है। इसके बारे में कुछ प्रकाश डालें।

डॉ. संखलाः आज मैं फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में एक सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हूँ। अब तक मेरे 200 से अधिक शोध लेख, 30 से अधिक पुस्तक अध्याय, 8 संपादित पुस्तकें और 68 से अधिक पेटेंट प्रकाशित हो चुके हैं। मेरा शोध फॉरेंसिक टॉक्सिकोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी, पर्यावरणीय टॉक्सिकोलॉजी और फिंगरप्रिंट एनालिसिस जैसे क्षेत्रों में रहा है, जिसने मुझे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाई है।

साइबरशालाः आपकी सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू आपकी मेहनत और धैर्य रहा है। इस संदर्भ में आपके विचार क्या हैं ?

डॉ. संखलाः सफलता का मार्ग आसान नहीं होता। यह मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से भरा होता है। चाहे चुनौतियाँ कितनी भी बड़ी क्यों न हों, यदि आप दृढ़ निश्चयी रहें और सही मार्गदर्शन प्राप्त करें, तो असंभव कुछ भी नहीं। मेरा मानना है कि हार मान लेना समाधान नहीं है, बल्कि प्रत्येक असफलता से सीखकर आगे बढ़ना ही असली सफलता है।

साइबरशालाः आपने सरकारी स्तर पर भी महत्वपूर्ण पहलों में भाग लिया है, जैसे कि Atal Innovation Mission के तहत Atal Tinkering Labs में मार्गदर्शन करना। इसके बारे में विस्तार से बताएं।

डॉ. संखलाः यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मुझे Atal Innovation Mission के अंतर्गत NITI Aayog द्वारा युवा नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए चुना गया। यह पहल छात्रों में नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं इस मिशन के माध्यम से युवा मस्तिष्कों में उत्साह और शोध की भावना जगाने का प्रयास कर रहा हूँ।

साइबरशालाः अंत में, आप युवाओं के लिए क्या संदेश देना चाहेंगे जो आज शोध और फॉरेंसिक साइंस में कदम रखना चाहते हैं ?

डॉ. संखलाः मेरा संदेश है – ₹शुरुआत आपके पास जहाँ से भी हो, महत्वपूर्ण यह है कि आप अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहें। चुनौतियाँ आएंगी, लेकिन दृढ़ निश्चय और लगातार प्रयास से आप उन्हें पार कर सकते हैं। सफलता आपके आत्मविश्वास और मेहनत का परिणाम है।₹

साइबरशालाः डॉ. संखला, आपके प्रेरणादायक शब्दों के लिए धन्यवाद। आपकी कहानी निश्चित ही आने वाले शोधकर्ताओं के लिए एक मार्गदर्शक होगी।

डॉ. संखलाः धन्यवाद, मुझे खुशी है कि मेरी यात्रा से कोई प्रेरणा ले सकता है। आशा करता हूँ कि युवा वर्ग इस दिशा में आगे बढ़ेगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा।

दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में कमी आई

मनोरंजन सासमल स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : इस वर्ष सड़क सुरक्षा माह के दौरान दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में कमी आई है। जनवरी 2025 में 994 दुर्घटनाओं में 417 लोगों की मृत्यु हुई। पिछले वर्ष की तुलना में 99 दुर्घटनाएं कम हुईं तथा 44 मौतें कम हुईं। कहा जा रहा है कि परिवहन विभाग और पुलिस के संयुक्त प्रवर्तन प्रयासों से दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने में काफी मदद मिली है।रिकार्ड के अनुसार पिछले वर्षों में सड़क सुरक्षा सप्ताह जनवरी माह में मनाया जाता था। लेकिन 2025 में पहली बार सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से शुरू होगा। इस महीने वन क्षेत्रों में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ़ जाँच बढ़ाई गई। परिवहन विभाग के अनुसार, जनवरी 2025 में राज्य में 994 दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 417 लोगों की मृत्यु हुई। 2024 में दुर्घटनाओं की संख्या 1,093 और मृत्यु दर 561 थी।

इसी प्रकार, 2023 में ये संख्या क्रमशः 1,199 और 554 होगी। विशेष रूप से, सबसे अधिक दुर्घटनाएं दिसंबर और जनवरी में होती हैं। चूंकि इस समय जंगल में अधिक भोजन उपलब्ध होता है, इसलिए शराब पीने और तेज गति से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसी प्रकार कोहरे के कारण अनेक दुर्घटनाएं होती हैं।

इसलिए विभाग ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए इस माह विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया। जनवरी माह में प्रत्येक बुधवार को शून्य सहनशीलता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आगे चलकर जागरूकता अभियान और प्रवर्तन का और विस्तार किया जाएगा।राज्य परिवहन प्राधिकरण ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी जांच और कार्रवाई की जाएगी।

हरिहर सिंह चौहान
इन्दौर

प्यार मस्ताना है।

'एक रोज के इकरार करने से प्यार नहीं होता,
जन्मों का बंधन है यह तो
सिर्फ एक दिन में कैसे हो जाएगा,
प्यार दिवाना है, प्यार मस्ताना है।

दिलों की चाहत में बस तुम हो,
तेरे बिना कोई नहीं है
फिर प्रेम सिर्फ एक दिन का कैसे होगा !
प्यार दिवाना है, प्यार मस्ताना है।

हमारे यहाँ तो राधा-कृष्ण का प्रेम बंधन था,
जिसमें मर्यादा का संगम था
इतना प्यार कोई नहीं कर सकता,
क्योंकि प्यार दिवाना है, प्यार मस्ताना है।

आजकल का दिखावा प्यार-फ़ैशन बन गया,
प्यार तपस्या है प्यार अमर है
प्यार करने वाले प्रेमियों की इस दुनिया में,
प्यार दिवाना है, प्यार मस्ताना है।

रोज़-डे, या चाकलेट-डे से प्यार नहीं होता,
दीवानों की मस्ती है यह प्रेमियों की बस्ती है।
यह सब मतवाले है प्रेमी हैं, क्योंकि
प्यार दिवाना है, प्यार मस्ताना है॥

नौनिहालों के सपनों पर हावी होते कोचिंग सेंटर

भारत में कोचिंग सुविधाओं की संख्या में तेज़ी से वृद्धि देखी जा रही है। ये केंद्र छात्रों को स्कूल स्तर की परीक्षाओं के साथ–साथ जेईई, नीट और यूपीएससी की तैयारी में मदद करते हैं। हालाँकि, इस उद्योग की विस्फोटक वृद्धि से कई चिंताएँ भी पैदा हो रही हैं। लगभग 58, 000 करोड़ के बाज़ार मूल्य के साथ, भारत का फलता–फूलता कोचिंग क्षेत्र अब पूरे देश से करोड़ों छात्रों को आकर्षित करता है। पारंपरिक शिक्षा में अंतर को पाटने के लिए, ये निजी संस्थान विशेष परीक्षा की तैयारी प्रदान करते हैं। हालाँकि, चिंताएँ हैं कि उनका बाज़ार–संचालित दृष्टिकोण औपचारिक शिक्षा के मानकों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है और शैक्षणिक माँगों को बढ़ाकर छात्रों की पढाई पर भारी बोझ डालता है। कोचिंग सेंटरों के विस्फोटक विकास के कारण भारत में औपचारिक शिक्षा प्रणाली और छात्रों के कल्याण सम्बंधित चिंताएँ जताई गई हैं।

–प्रियंका सौरभ

छात्रों की भलाई और औपचारिक शिक्षा में कोचिंग सेंटरों का प्रभाव कम हो गया है। छात्र अपनी अकादमिक पढ़ाई से पहले कोचिंग सत्रों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे व्यापक शिक्षा प्रदान करने में स्कूलों की भूमिका कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, बहुत से छात्र केवल उपस्थिति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल जाते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए केवल ट्यूशन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। कोचिंग सेंटर में लंबे समय तक पढ़कर कड़ी प्रतिस्पर्धा करने वाले छात्र तनाव, चिंता और बर्नआउट का अनुभव करते हैं। कोटा के छात्रों की आत्महत्या की रिपोर्ट कोचिंग सेंटर के माहौल से होने वाले गंभीर मनोवैज्ञानिक नुक़सान को दर्शाती है। कोचिंग सेंटर अकादमिक फोकस और तैयारी की रणनीतियों पर हावी हैं, जिससे छात्रों की अपनी शिक्षा में रुचि ख़त्म हो जाती है। कोचिंग सेशन में भाग लेने के लिए, कई सीबीएसई स्कूलों में छात्र महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक वर्षों के दौरान नियमित कक्षाएँ छोड़ देते हैं। उच्च कोचिंग लागत आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को उच्च-गुणवत्ता की तैयारी तक पहुँचने से रोककर शैक्षिक अवसरों में अंतर को और बढ़ा देती है। प्रीमियम जेईई तैयारी कार्यक्रमों की लागत लाखों तक है, जो उन लोगों को अलग करती है जो कोचिंग का ख़र्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते हैं।

कोचिंग उद्योग कई कारकों के परिणामस्वरूप विकसित हुआ है। कोचिंग की आवश्यकता उच्च-दांव वाली प्रवेश परीक्षाओं, जैसे कि जेईई और एनईईटी पर ज़ोर देने से प्रेरित है। आईआईटी सीटों की सीमित संख्या के कारण, छात्र चयनित होने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं। माता-पिता और छात्रों के अनुसार, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग सेंटर आवश्यक हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन में सुधार होगा, इसलिए कई माता-पिता कोचिंग फीस पर बड़ी रक़म ख़र्च करते हैं। औपचारिक शिक्षा में प्रतियोगी परीक्षाओं की उन्नत तैयारी का अभाव अक्सर एक कमी छोड़ देता है जिसे कोचिंग सेंटर भर देते हैं। राज्य बोर्ड राज्य बोर्ड और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान पर ज़ोर देते हैं, जबकि कोचिंग सेंटर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष तैयारी प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटर में शामिल होने के लिए छात्रों पर साथियों और अभिभावकों के दबाव के परिणामस्वरूप कोचिंग संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। पूरा परिवार कोटा और हैदराबाद जैसी जगहों पर कोचिंग के अवसरों के लिए जा रहा है। कोचिंग सेंटर रैंक-केंद्रित विज्ञापनों और सफलता की कहानियों के साथ छात्रों को आकर्षित करते हैं। अपने विज्ञापनों में, कोचिंग सेंटर अपने सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रदर्शित करते हैं, जिससे यह धारणा बनती है कि सफलता सुनिश्चित है।

इसका सामान्य रूप से शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। कोचिंग सेंटरों द्वारा पाठ्यक्रम से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर ज़ोर दिए जाने के परिणामस्वरूप छात्र अपनी नियमित शैक्षणिक पढ़ाई की उपेक्षा करते हैं। कक्षा 11 और 12 के दौरान, छात्र पूरे दिन के जेईई या नीट कोचिंग सत्र में भाग लेने के लिए अक्सर स्कूल छोड़ देते हैं। औपचारिक शिक्षा की वैधता कम हो जाती है क्योंकि छात्र अपना ध्यान कोचिंग सेंटरों की ओर मोड़ते हैं, जिससे शिक्षक की प्रेरणा कम हो जाती है। छात्र केवल कोचिंग सामग्री का उपयोग करते हैं और शहरी क्षेत्रों के स्कूल कक्षा में कम भागीदारी की रिपोर्ट करते हैं। परीक्षाओं में सफल होने के लिए रटने को प्रोत्साहित करके, कोचिंग सेंटर स्कूलों में सिखाई जाने वाली आलोचनात्मक सोच और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग कौशल को कमज़ोर कर देते हैं। प्रवेश परीक्षा अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ अक्सर वैचारिक विश्लेषण की तुलना में नियमित समस्याओं को हल करने पर अधिक ज़ोर देती हैं। खेल, कला और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं क्योंकि छात्र कोचिंग कक्षाओं में बहुत अधिक समय व्यतीत करते हैं। छात्र अक्सर इंजीनियरिंग या मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी करते समय स्कूल द्वारा प्रायोजित एथलेटिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से चूक जाते हैं। परीक्षा-केंद्रित संसाधनों तक पहुँच उच्च कोचिंग लागतों द्वारा सीमित है, जिसके परिणामस्वरूप एक दोहरी प्रणाली है जहाँ केवल गरीब ही मुख्यधारा की शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। सरकारी स्कूली बच्चे अल्प शैक्षिक संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि अमीर छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में जाते हैं।

स्कूलों में पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए, निजी कोचिंग सुविधाओं पर निर्भरता कम करने के लिए स्कूलों में कोचिंग सत्र और उन्नत शिक्षण मॉड्यूल शुरू करें। ऑनलाइन संसाधनों को प्रोत्साहित करें जो परीक्षण लेने की लागत और आय के बीच के अंतर को कम करने के लिए अधिक किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं। सभी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नपटल और दीक्षा जैसे प्लेटफ़ॉर्म द्वारा दिए जाने वाले मुफ़्त संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। विशेष कोचिंग की आवश्यकता को कम करने के लिए ज्ञान-भारी परीक्षाओं की तुलना में योग्यता-आधारित आकलन को प्राथमिकता दें। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम विषय-वस्तु के ज्ञान की तुलना में योग्यता और आलोचनात्मक सोच को प्राथमिकता देता है। स्कूल के शिक्षकों को उन्नत निर्देश और सलाह देने के लिए आवश्यक संसाधन देने के लिए शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों पर पैसा ख़र्च करें। देश भर के शिक्षकों के पेशेवर कौशल को बढ़ाना निष्ठां जैसे सरकारी कार्यक्रमों का लक्ष्य है। ऐसे दिशा-निर्देश बनाएँ जो एक अच्छी तरह से पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दें जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा देने की रणनीतियों के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक और एथलेटिक निर्देश को जोड़ता हो। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अंतःविषय शिक्षा को बढ़ावा देती है और उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से जुड़े तनाव को कम करती है।

कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, व्यक्तिगत शिक्षण और नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से औपचारिक शिक्षा को बढ़ाकर कोचिंग केंद्रों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। मज़बूत कानून, उचित मूल्य, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और छात्रों की भलाई को बढ़ावा देने से निष्पक्ष, व्यापक शिक्षण वातावरण की गारंटी होगी। नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, ₹शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।₹ भविष्य समानांतर शैक्षिक प्रणालियों में नहीं है, बल्कि अंतराल को बंद करने में है।

नए संकल्प बताकर प्रथम विजेता बनीं डॉ. कुमारी कुंदन

परिवहन विशेष न्यूज

इंदौर। देश-विदेश में मातृभाषा हिन्दी को और सतत लोकप्रिय बनाने के अभियान में हिन्दीभाषा डॉट कॉम परिवार द्वारा स्पर्धा कराने की अनवरत श्रृंखला जा है। इसी निमित्त 'नया सवेरा, नयी आशाएँ, नए संकल्प' विषय पर ९२ वीं प्रतियोगिता में पद्य में प्रथम विजेता डॉ. कुमारी कुंदन है।

यह परिणाम जारी करते हुए मंच-परिवार की सह-सम्पादक श्रीमती अर्चना जैन और संस्थापक- सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' ने सभी को बधाई दी है। श्रीमती जैन ने बताया कि, प्राप्त रचनाओं में से श्रेष्ठता अनुरुप निर्णायक मंडल ने पद्य में 'फिर नववर्ष मनाया जाएगा' पर डॉ. कुंदन (पटना, बिहार) को पहला स्थान दिया है। इसी क्रम में 'हे नव सूर्य' रचना के लिए संजीव एस. आहिरे (नासिक, महाराष्ट्र) को द्वितीय विजेता चयनित किया है।

श्रीमती जैन ने बताया कि स्पर्धा में डॉ. श्रावनी चक्रवर्ती (महेन्द्रगढ़, छग की रचना 'जाते-जाते ये वर्ष' तृतीय स्थान सुरक्षित करने में सफल हुई है। मंच संयोजक प्रो.डॉ. सोनाली सिंह, मार्गदर्शक डॉ. एम.एल. गुप्ता 'आदित्य', विशिष्ट सहयोगी एच.एस. चाहिल व प्रचार प्रमुख ममता तिवारी 'ममता' (छग) ने सभी विजेताओं एवं सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है। श्रीमती जैन ने बताया कि, हिंदी साहित्य अकादमी (मप्र) से अभा नारद मुनि पुरस्कार-सम्मान एवं 1 राष्ट्रीय कीर्तिमान प्राप्त 1.54 करोड़ 55 हजार दर्शकों-पाठकों के अपार स्नेह और 10 सम्मान पाने वाले इस मंच द्वारा आयोजित उक्त स्पर्धा में गद्य वर्ग में अपर्याप्त रचना होने से कोई विजेता नहीं है।

गुरदी झटिया रेलवे स्टेशन पर हादसा: ट्रेन कि पॉल चोरी करते समय युवक की मौत

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर :कटक जिले गुरुदझटिआ रेल स्टेशन मे कोयले से भरी ट्रेन से पॉल चुराते समय वह बिजली के तार के संपर्क में आ गया और जल गया। कटक के गुरदी झटिया रेलवे स्टेशन के पार्किंग स्थल पर घटी घटना भी ऐसी ही है। मृतक युवक साचा गांव का जितेंद्र बेहरा है। रेलवे विभाग ने घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, आठगढ़ क्षेत्र के गुरदीझटिया रेलवे स्टेशन की पार्किंग में एक मालगाड़ी रुकी हुई थी।इसी दौरान युवक कोयले से लदा एक फूस चुराने के लिए मालगाड़ी के एक डिब्बे पर चढ़ गया। इसी दौरान युवक हाई वोल्टेज बिजली के तार के संपर्क में आ गया। परिणामस्वरूप, उसका शरीर पूरी तरह आग में जल गया। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस और रेलवे विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

झारखंड में नौ हजार एकड़ अफीम फसल नष्ट गृह सचिव , डीजीपी का प्रयास लाया रंग

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

सरायकेला(कुचाई), झारखंड में अफीम की अवैध खेती इन दिनों विकराल रूप ले चुका है। गृह सचिव बंदना डाडेल एवं डी जी पी अनुराग गुप्ता ने एक सफल प्रायास इसे रोकने हेतु विगत वर्ष के अन्तिम समय में किया था ,जिसका रंग अब दिखाई पड़ने लगा है। जिसके तहत 9871 एकड़ अफीम खेती विनष्ट की गयी है तथा आगे यह जारी है ।

इस वर्ष अफीम की खेती विनष्टीकरण हेतु सरकार एवं पुलिस महानिदेशक के द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में दिनांक- 5 फरवरी से 17 फरवरी तक अफीम खेती के शव विरोध में विशेष अभियान चलाए हुए हैं।

इसके तहत राँची प्रक्षेत्र के खूँटी, राँची, सरायकेला-खरसावॉ एवं चाईबासा जिलों में जोरदार अभियान जारी है ।

पुलिस अधीक्षक, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी के अतिरिक्त 11 पुलिस उपाधीक्षक के द्वारा जिलों में नेतृत्व की जा रही है तथा स्थानीय थाना एवं पुलिस मुख्यालय के साथ राँची प्रक्षेत्र के अन्य जिलों से 1500 अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। इस अभियान के तह्त खूँटी जिला के मुरूहु, अडकी, खूँटी, सायको एवं मारंगहादा थाना क्षेत्र में 6473 एकड़ में विनष्टीकरण एवं कुल गिरफ्तारी 55, राँची जिला के बुण्डू, तमाड़, दशमफॉल, राहे, सोनाहातू, नामकुम थाना क्षेत्र में 2484 एकड़ में विनष्टीकरण एवं कुल 19 गिरफ्तारी, चाईबासा जिला के बंदगांव, टेबो, कराईकेला, टोकलो थाना क्षेत्र में 394 एकड़ विनष्टीकरण तथा सरायकेला-खरसावाँ जिला के कुचाई, ईचागढ़, चौका, खरसावाँ थाना क्षेत्र में 520 एकड़ में विनष्टीकरण एवं कुल 12 गिरफ्तारी की गयी है। जहां कुचाई खूंटी संयुक्त इलाके में सरायकेला खरसावां के उर्जावान एस पी मुकेश लुनायत का प्रयास सराहनीय देखा जा रहा है ।

इस प्रकार अबतक इन जिलों में 9871 एकड़ में लगे अवैध अफीम के फसल को विनष्ट करने के साथ संलिप्त कुल 86 आरोपियों की गिरफ्तारी की गयी है। एक एकड़ अफीम के फसल से करीब 3 से 4 कि0ग्रा0 अफीम की पैदावार होती है। एक कि0ग्रा0 अफीम की कीमत बाजार में 4 से 5 लाख रूपये होती है। इस अभियान के तह्त इतने ज्यादा अफीम को बाजार में पहुंचने से बचाया गया है। परन्तु जो लोग विगत लगभग दस वर्षों से इस कार्य में जूडे थे तथा जो इस कार्य में सहयोगी रहे उनके पास पुलिस का नहीं पहुंच पाना सोचने वाली बात है। उससे कहीं बड़ी बात अगर ज़ंगल में खेती हो रही थी तो जंगली अफसर यानी वन विभाग कर क्या रहा था !वन विभाग के वे कौन थो जिनका अप्रत्क्ष साथ इस अवैध कारोबार को फलने फुलने हेतु मिलता रहा ।

पुलिस महानिरीक्षक, द0छो0 प्रक्षेत्र, राँची के नेतृत्व में इस अभियान के तह्त राँची जिलान्तर्गत तमाड़ थानान्तर्गत पंचायत कुण्डला के ग्राम-परासी क्षेत्र में अवैध अफीम फसल के विनष्टीकरण की कार्रवाई की गयी। अभियान में पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, राँची, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बुण्डू तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी सम्मिलित रहें। इस दौरान आम नागरिकों को अवैध अफीम की खेती से होने वाले समाज पर दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए अवैध अफीम की खेती नहीं करने हेतु जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, राँची को विशेष शाखा/स्थानीय रूप से प्राप्त सूचना/आसूचना के आलोक में शेष क्षेत्रों में बचे हुए अवैध अफीम की खेती को समुचित संसाधन के उपयोग एवं प्रतिनियुक्त बलों की मदद् से विनष्ट करने का निर्देश दिया गया। इस अभियान में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी एवं बलों को उनके द्वारा किये जा रहे इस सराहनीय कार्य के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अवैध अफीम की खेती के संबंध में आम जनता के द्वारा पुलिस को सूचना दी जा रही है एवं सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। आमजनों/ग्रामीणों को अवैध अफीम की खेती करने पर जुर्माना के साथ कठोर कारावास तथा 20 वर्षो तक के अधिक कारावास के प्रावधान होने से भी अवगत कराया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी–18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए–4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली– 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023